सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 04 मई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 236 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या पंजाब में पर्दे के पीछे आप और कांग्रेस में गठबंधन है ?

आदित्य मेनन

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के लिए चुनावी रण अब तैयार है। आम आदमी पार्टी (आप) और शिरोमणि अकाली दल ने सभी 13 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस ने अब तक 12 उम्मीदवारों की घोषणा की है। बीजेपी ने अभी तक चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। पंजाब में वोटिंग चुनाव के आखिरी चरण में 1 जून को होगी।

यहां मुकाबले को यह तथ्य रोचक बना रहा है कि पूरे देश में एक साथ इंडिया गठबंधन के बैनर तले लड़ने वाली आप और कांग्रेस पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं। दोनों पार्टियां चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात और गोवा में गठबंधन कर चुनाव लड़ रही हैं। लेकिन पंजाब में आप सत्तारूढ़ पार्टी है और कांग्रेस मुख्य विपक्ष है। दोनों पार्टियां पिछले दो वर्षों से लगातार जुबानी जंग में लगी हुई हैं।

अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल ने दोनों पार्टियों पर अन्य राज्यों में औपचारिक गठबंधन और पंजाब में 'अनौपचारिक गठबंधन' में होने का आरोप लगाया है।

इसके बावजूद आप और कांग्रेस ने जिस तरह उम्मीदवारों का चयन किया है, वह एक दिलचस्प पैटर्न को उजागर करता है। दोनों पार्टियां अकाली-विरोधी और बीजेपी-विरोधी वोटों के विभाजन को कम करती दिख रही हैं।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि पंजाब में आप और कांग्रेस का आधार भी एक जैसा है। दोनों को समाज के सभी वर्गों से वोट मिलते हैं, जबकि शिरोमणि अकाली दल ग्रामीण सिख वोटों पर और बीजेपी शहरी हिंदू वोटों पर बहुत अधिक निर्भर है। चूंकि अकाली दल और बीजेपी अब गठबंधन में नहीं हैं, किसी खास सीट को जीतने के लिए सभी पार्टियां चाहेंगी कि उनके प्रतिद्वंद्वियों का वोट बंट जाए। वजह है कि वे अब अपने पूर्व सहयोगी के वोटों के समर्थन पर भरोसा नहीं कर सकते हैं।

कांग्रेस ने मौजूदा सांसद मोहम्मद सादिक को हटाकर अमरजीत कौर साहोके को मैदान में उतारा है। मोहम्मद सादिक एक लोकप्रिय लोक गायक और पंजाब में एक जाने-माने चेहरे हैं। वो भदौर से विधायक और फरीदकोट से सांसद रहे हैं। उनकी जगह अमरजीत कौर साहोके को लाया गया है। अमरजीत का कद राजनीतिक रूप से हल्का है और 'राजनीतिक परिदृश्य में बहुत सक्रिय नहीं रहा है।' फरीदकोट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है और पार्टियां आमतौर पर यहां मजहबी सिख उम्मीदवारों को मैदान में उतारती हैं। यहां कांग्रेस की तरफ से 'हल्के उम्मीदवार' को उतारना हैरान करता है क्योंकि यह पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के प्रभाव का प्राथमिक क्षेत्र है। उम्मीद की जा रही थी कि वह एक मजबूत उम्मीदवार पर जोर देंगे।

इसके विपरीत, फरीदकोट सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के लिए प्रतिष्ठा वाली सीट बनकर उभर रही है। पार्टी ने कॉमिक एक्टर करमजीत अनमोल को मैदान में उतारा है, जो सीएम भगवंत मान के दोस्त हैं। कांग्रेस की तरफ से कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं उतारे जाने से कथित तौर पर मुकाबला आप और शिरोमणि अकाली दल के राजविंदर सिंह के बीच हो गया है। बीजेपी ने गायक हंस राज हंस को मैदान में उतारा है, जो उत्तर पश्चिमी दिल्ली से पार्टी के सांसद हुआ करते थे।

होशियारपुर सीट कांग्रेस ने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। पार्टी ने यहां से यामिनी गोमर को मैदान में उतारा है, जो 2014 में आप के टिकट पर इस सीट से तीसरे स्थान पर रहीं थीं। बीजेपी के पास वर्तमान में यह सीट है और वह भी यहां दावेदार है।

आनंदपुर साहिब सीट से कांग्रेस ने संगरूर के पूर्व सांसद विजय इंदर सिंगला को उतारा है। जबकि मौजूदा सांसद मनीष तिवारी को चंडीगढ़ से उम्मीदवार बनाया है। इस सीट के लिए राजा गुरजीत सिंह और परगट सिंह के नाम भी चर्चा में थे। आप के मालविंदर सिंह कंग, जो पिछले कुछ समय से आनंदपुर साहिब से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, अब इस सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। दूसरे दावेदार अकाली दल के प्रेम सिंह चंदूमाजरा हैं।

बठिंडा से शिरामणि अकाली दल (बादल गुट) की हरसिमरत कौर बादल मौजूदा सांसद हैं। इस सीट पर मुकाबला कई मोर्चे पर है। आप ने मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को उतारा है। अकाली दल से कांग्रेस नेता बने जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू पार्टी के उम्मीदवार हैं। गैंगस्टर से एक्टिविस्ट बने लक्खा सिधाना को शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) ने उतारा है और बीजेपी ने पूर्व नौकरशाह परमपाल कौर पर भरोसा जताया है। मुकाबला काफी हद तक हरसिमरत कौर और खुड्डियां के बीच माना जा रहा है।

कांग्रेस ने पूर्व मंत्री और डेरा बाबा नानक से चार बार के विधायक सुखजिंदर रंधावा को गुरदासपुर से मैदान में उतारा है। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बीजेपी के पूर्व विधायक दिनेश सिंह बब्बू होंगे। आप ने बटाला विधायक शेरी कलसी को मैदान में उतारा है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से रंधावा और बब्बी के लुधियाना सीट से मौजूदा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के बीजेपी में शामिल होने के बाद इस सीट पर कांग्रेस संकट से गुजर रही है। पार्टी ने राज्य कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को खड़ा किया है। उनका मुकाबला बिट्टू से होगा। जबकि आप ने विधायक अशोक पाराशर पप्पी और शिअद ने रणजीत सिंह ढिल्लों को उतारा है। लेकिन पप्पी के हिंदू ब्राह्मण होने से बीजेपी के बिट्टू को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

जालंधर सीट से मौजूदा सांसद आप के सुशील कुमार रिंकू अब भाजपा में हैं। आप ने पूर्व अकाली नेता पवन कुमार टीनू को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को मैदान में उतारा है। एससी के लिए आरक्षित सीट में दलित आबादी 30 प्रतिशत से अधिक है। चन्नी की दावेदारी मजबूत है। अकाली दल ने पूर्व कांग्रेस नेता मोहिंदर सिंह कायपी को मैदान में उतारा है. शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी, दोनों ने पूर्व कांग्रेसियों को मैदान में उतारा है।

संगरूर सीट पर लड़ाई दिलचस्प है। यहां मौजूदा सांसद शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान, आप के मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, कांग्रेस के सुखपाल सिंह खैरा और शिरोमणि अकाली दल के इकबाल सिंह झुंडन के बीच चार मोर्चे पर मुकाबला है। बीजेपी ने अभी तक इस सीट से अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। मुखर खैरा मान के लिए खतरा बन सकते हैं। मान समर्थकों ने खैरा के खिलाफ अभियान चला रखा है।

अभी तक पंजाब में किसी भी पार्टी को जिताने या हराने वाली कोई साफ लहर नहीं दिख रही है। लेकिन मतदाताओं के सभी वर्गों के बीच आधार होने के कारण आप और कांग्रेस, अकाली दल या बीजेपी से अधिक सीटों पर मुकाबले में है।

(द क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

मेरे पहचान-पत्र में
मुझे सिर्फ़ पृथ्वी का नागरिक लिखो
जब मेरी आंखों में झांककर देखो
तो उनमें बसी
करुणा की पहचान लिखो
जब मेरी अंगुलियों के छापे लो
तो उनकी रेखाओं में बसी
प्रेम के स्पर्श की गहराई लिखो
जब पूरे चेहरे का अक्स उतारकर
पहचान-पत्र पर चस्पा करो
तो मुझे सिर्फ़ आदमी लिखो
बना सको
तो ऐसा बनाओ मेरा पहचान-पत्र
सबसे प्रेम करने के लिए पहचाना जाऊं।

– ध्रुव शुक्ल

झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस में

लूट और भ्रष्टाचार को लेकर है रेस

चाईबासा में पीएम मोदी बोले-आरक्षण को कोई छीन नहीं सकता

चाईबासा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा और झारखंड का रिश्ता दिल का है। झारखंड के लोगों की भावनाओं को अगर कोई समझता और सुलझाता है तो वो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही है। उन्होंने कहा-आपका ये प्यार, ये आशीर्वाद... यही मोदी की ताकत है। पीएम मोदी शुक्रवार को चाईबासा के टाटा मैदान में बीजेपी प्रत्याशी गीता कोड़ा के पक्ष में चुनावी रैली संबोधित किया। पीएम को सुनने के लिए कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा- झारखंड के जल, जंगल और जमीन पर हमारे आदिवासी भाई-बहनों का अधिकार है, लेकिन जेएमएम और कांग्रेस... इसे अपनी जागीर समझती है। यही वजह है कि झारखंड के हर संसाधन की खुली लूट चल रही है। पूरे राज्य के खान-खनिज को अवैध खनन कर लूटा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि अब कांग्रेस की नजर एससी, एसटी, आदिवासी और ओबीसी के आरक्षण पर डाका डालने पर है। कांग्रेस को गुस्सा इसलिए है, क्योंकि आदिवासी, दलित, गरीब और ओबीसी बीजेपी का

समर्थन करते हैं। कांग्रेस आपके आरक्षण पर डाका डालकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। ये धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं।' उन्होंने कहा- 'संविधान को कोई हाथ नहीं लगा सकता है. कोई दलितों, ओबीसी व आदिवासियों का आरक्षण नहीं छीन सकता।'

कांग्रेस ने आदिवासियों के बलिदान को सम्मान नहीं दिया

पीएम मोदी ने कहा- सिंहभूम और झारखंड की धरती, आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है, लेकिन कांग्रेस ने आदिवासियों के बलिदान को कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस आजादी का पूरा श्रेय केवल एक परिवार को देना चाहती है, लेकिन ये भाजपा है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को एक और पहचान दी- इस दिन को हमने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की है। हम देशभर में जनजातीय गौरव के लिए जनजातीय म्यूजियम बना रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को आदिवासियों के इतिहास का सम्मान पसंद नहीं है। वो जनजातीय समाज के लोगों को आगे बढ़ने देना नहीं चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने एक आदिवासी महिला (द्रौपदी मुर्मू) को भारत के राष्ट्रपति बनाने का घोर विरोध किया। उन्होंने कहा- ये आपका बेटा मोदी दिल्ली में बैठा है, जो आपका दर्द जानता है। इसलिए मैंने कहा- चाहे डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, वैज्ञानिक हो... वो अपनी भाषा में पढ़ेगा तो वो भी डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनेगा। पिछले 10 वर्षों में मोदी ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए मकान, बिजली, पानी और गैस सिलेंडर जैसी सुविधाएं दी है। हमारे प्रयास से झारखंड में 18 लाख लोगों को पक्के घर मिले हैं। ढाई करोड़ से ज्यादा लोगों को यहां हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है ताकि गरीब के घर का बच्चा भूखा न सोए। पिछले 10 वर्षों में मोदी ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए मकान, बिजली, पानी और गैस सिलेंडर जैसी सुविधाएं दी है। हमारे प्रयास से झारखंड में 18 लाख लोगों को पक्के घर मिले हैं। ढाई करोड़ से ज्यादा लोगों को यहां हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है ताकि गरीब के घर का बच्चा भूखा न सोए। पीएम ने कहा- 'हमारे लिए आदिवासियों का विकास पहली प्राथमिकता है। आदिवासी समाज के विकास के लिए अलग जनजातीय मंत्रालय बनाया।

अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका

- गाजीपुर से चुनावी मैदान में उतर पाएंगे सपा कैंडीडेट, सस्पेंस बरकरार

गाजीपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से निवर्तमान सांसद अफजाल अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से राहत नहीं मिल पाई है। अफजाल ने गाजीपुर स्पेशल कोर्ट की ओर से चार साल की कैद और एक लाख रुपये की जुर्माना की सजा पर रोक से संबंधित याचिक हाई कोर्ट में दायर की है। हाई कोर्ट में गुरुवार को मामले की सुनवाई होनी थी लेकिन, मामले की सुनवाई एक दिन के लिए टाल दी गई।

शिवसेना उद्धव गुट की नेता सुषमा अंधारे का हेलीकॉप्टर क्रैश

- किसी के घायल होने की जानकारी नहीं, क्रैश की वजह साफ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के महाड में शुक्रवार को शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता सुषमा अंधारे का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। सुषमा अंधारे बारामती में महिला मेले में शामिल होने जा रही थीं। सुषमा के हेलीकॉप्टर में चढ़ने से पहले ही हेलीकॉप्टर का बैलेंस बिगड़ गया और वो क्रैश हो गया। हेलीकॉप्टर क्रैश में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि क्रैश की वजह अभी साफ नहीं है। जांच की जा रही है। हालांकि जिस समय हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ उस समय दो पायलट सवार थे। दोनों चोटिल हो गए। यह घटना सुबह 9.30 बजे की है।

राहुल ने छोड़ी अमेठी, रायबरेली से किया नामांकन

सोनिया-प्रियंका रहीं मौजूद, प्रियंका बोलीं-हम सेवा की राजनीति वापस चाहते हैं

रायबरेली/अमेठी (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली से नामांकन कर दिया है। उनके साथ सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी, जीजा रॉबर्ट वाड्रा मौजूद रहे। किशोरी लाल शर्मा ने भी अमेठी से नॉमिनेशन कर दिया है। कांग्रेस ने नॉमिनेशन के आखिरी दिन रायबरेली से राहुल और अमेठी से किशोरी लाल के नाम का ऐलान किया। किशोरी सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाते हैं। शुक्रवार सुबह 9 बजे राहुल परिवार के साथ दिल्ली से रायबरेली के लिए रवाना हुए। साढ़े 10 बजे अमेठी-रायबरेली बॉर्डर पर स्थित फुरसतगंज एयरपोर्ट पर उतरे। एयरपोर्ट से सोनिया, राहुल और रॉबर्ट वाड्रा रायबरेली कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, जबकि प्रियंका और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत अमेठी गए। यहां किशोरी लाल के साथ रोड शो किया। प्रियंका ने कहा- हम अमेठी में एक बार फिर सच्चाई और सेवा की राजनीति वापस लाना चाहते हैं। अब मौका आ गया है। ये आपका

चुनाव है, आप लड़ेंगे, आप जिताएंगे। नामांकन से पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यालय में पूजा की। इसके बाद काफिले के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और नामांकन दाखिल किया। भाजपा ने रायबरेली से योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को टिकट दिया है, जबकि अमेठी से स्मृति ईरानी लड़ रही हैं। अमेठी से दावेदारी छोड़ने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राहुल पर तंज कसा। उन्होंने कहा-राहुल अमेठी से पलायन करके वायनाड गए। रायबरेली की जनता समझ चुकी है, ये रणछोड़ दास लोग हैं। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला।

राहुल ने चुनाव से पहले ही मान ली हार

- मेहमानों का अमेठी में स्वागत...स्मृति इरानी ने कसा तंज

अमेठी (एजेंसी)। आखिरकार राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से अपना नामांकन फाइल कर दिया है। चर्चा थी कि वह एक बार फिर अमेठी से चुनाव लड़ेंगे पर उनकी जगह सोनिया गांधी के करीबी केएल शर्मा को टिकट दे दिया गया। केंद्रीय मंत्री और अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी ने इसको लेकर राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अमेठी में कांग्रेस ने चुनाव के पहले ही हार मान लिया है। गांधी परिवार का अमेठी से नामांकन ना करना इस बात का संकेत कर रहा है। यदि उन्हें जीत की कोई गुंजाइश लगती तो राहुल गांधी स्वयं यहां से चुनाव लड़ते। स्मृति इरानी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मेहमानों का अमेठी में स्वागत है। हम मेहमानों के स्वागत में कोई कमी नही रखेंगे। यह तो पहले से देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि

वायनाड में चुनाव हो जाने के बाद गांधी परिवार कोई नई सीट चुनेगा वही हुआ। पिछले पांच सालों में दो साल कोरोना में बीत गए। बचे तीन सालों में हमने जो विकास किया, उससे अमेठी की जनता लाभान्वित हुई है।

लोकसभा चुनाव के बीच 5 मई को अयोध्या जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज की वोटिंग से पहले यानि की 5 मई को पीएम मोदी अयोध्या के दौरे पर जाएंगे। यहां पर वे फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के समर्थन में रोड शो करेंगे। इतना ही नहीं, वे राम मंदिर जाकर रामलला के दर्शन और पूजन करेंगे। पीएम मोदी के अयोध्या दौरे को यादगार बनाने के लिए बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पीएम मोदी अयोध्या में करीब 2 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। इस दौरान उन पर जगह-जगह पर फूल बरसाए जाएंगे। अयोध्या के लोग पीएम मोदी के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दौरे पर जा रहे हैं।

सीएम मोहन यादव बोले-हम मोदी जी के पट्ठे हैं

- कहा-मेरी विधानसभा में 500 यादव भी नहीं, फिर भी पार्टी ने मुझे मौका दिया

भोपाल/गिन्नौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम डरने वाले नहीं हैं। डरने वाले, डरते होंगे...हम नहीं डरते। हम मोदी जी के पट्ठे हैं। मोदी जी की सरकार में इस बात को जोर-शोर से रखते हैं कि जो सनातन धर्म को गाली देने वाले हैं उनसे हिसाब चुकता करने के लिए जनता तैयार है।

वे शुक्रवार को उत्तरप्रदेश के बदायूं लोकसभा के गुन्नौर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा।

यहां यदुवंशियों की बड़ी संख्या बैठी हुई है- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा- तीन-चार दिन बाद वोट डलने वाले हैं। यहां यदुवंशियों की बड़ी संख्या बैठी हुई है। यह हमारा सौभाग्य भी है कि हम ऐसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ते हैं

जिन्होंने सदैव धर्म मार्ग पर चलना सिखाया। कभी धर्म से समझौता नहीं किया।

सीएम ने कहा- मैं जिस जगह से आता हूं उस विधानसभा में 500 यादव भी नहीं है। उसके बावजूद भी आपके इस भाई को भाजपा मौका देती है। और मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाती है। इसीलिए मैं आप लोगों से भाजपा से जुड़ने की बात कहता हूं। भाजपा केवल कहती नहीं है सबका साथ- सबका विकास, यह करके दिखाती है।

सीएम ने कहा- उत्तर प्रदेश में 12 प्रतिशत से ज्यादा आबादी यदुवंशियों की है लेकिन दुर्भाग्य से यहां के माननीय जी, उनके बेटा जी चार-चार बार इस प्रदेश में मुख्यमंत्री बनते हैं लेकिन किसी अन्य यादव बंधु को मौका नहीं देते। अब गुन्नौर से मुख्यमंत्री बनाकर बता देते। तब पता चलता। अब समाजवादी को विदा करने का समय आ गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव यूपी की बदायूं लोकसभा में बीजेपी प्रत्याशी दुर्विजय शाक्य के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। जनसभा के दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ। मैं थोड़े दिन पहले शिक्षा मंत्री था, और शिक्षा मंत्री रहते मेरे मन में कसक थी कि हम अपने कॉलेज के बच्चों को शिक्षा देना चाहते हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 04 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

नहीं मिल रहा साथ बंगाल पुलिस बाधा डाल रही मीलॉर्ड

- संदेशखाली केस में सीबीआई ने कलकत्ता हाईकोर्ट में की शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली कांड को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली में केंद्रीय जांच एजेंसी को सहयोग करने के लिए राज्य सरकार अधिक पुलिस बल को भेजे। अदालत की निगरानी में हो रही जांच पर सीबीआई की अंतरिम रिपोर्ट पर हुई सुनवाई में शामिल वकीलों ने यह बात बताई। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की खंडपीठ ने सीबीआई से शाहजहां शेख पर आरोप लगाने वाली महिलाओं के बीच विश्वास पैदा करने और महिला अधिकारियों को संदेशखली भेजने के लिए भी कहा। बता दें सीबीआई ने अदालत के सामने उल्लेख किया कि वह जमीन हड़पने की शिकायतों की ठीक से जांच नहीं कर पा रही है, क्योंकि राज्य के अधिकारी सहयोग नहीं कर रहे हैं।

महिला का रेप-मर्डर 4 दिन बाद आरोपी का घर फूंका

- 6 महीने की प्रेग्नेंट थी पीड़िता

दौसा (एजेंसी)। प्रेग्नेंट महिला से रेप और उसकी हत्या के आरोपी के घर को पूरे गांव ने जलाकर फूंक दिया। गुस्साए लोगों ने आरोपी के रिश्तेदारों के घर भी जमकर तोड़फोड़ की। इससे पहले ग्रामीणों ने मीटिंग कर हमले का फैसला किया। उन्होंने मौके पर पहुंची पुलिस पर भी जमकर पथराव किया। घटना दौसा के मेहंदीपुर बालाजी के नांदरी गांव में गुरुवार रात 10 बजे की है। इस पूरे घटनाक्रम में आगजनी करने वाले तीन लोग भी झुलस गए हैं। जिन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। बताया जा रहा है कि रेप और मर्डर से गुस्साए पीड़ित पक्ष के लोगों ने गुरुवार को मीटिंग की।

कहीं भीषण गर्मी का 'कहर' तो कहीं बारिश ने घोला 'जहर'

- उत्तर पूर्वी राज्यों में बारिश का तांडव,लोगों का जीना हुआ मुहाल
- तीन राज्यों का देश के बाकी हिस्सों से टूटा संपर्क, कई लोग मरे

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक गर्मी का कहर जारी है। इस बीच उत्तर पूर्वी राज्य असम में बारिश ने तांडव मचाया हुआ है। भारी बारिश के कारण असम के दिमा हसाओ जिले के कई इलाकों में भूस्खलन हुआ है। इसके कारण त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर के साथ-साथ असम के बराक घाटी के कुछ हिस्से का देश के बाकी हिस्सों से अस्थायी संपर्क टूट गया है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को कछार और दिमा हसाओ में बिजली गिरने और भूस्खलन के कारण तीन युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, कछार जिले में बिजली गिरने से दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि दो अन्य नाबालिग लड़कों को चोटें आईं और उनका एसएमसीएच में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृत लड़कों की पहचान दिलवर हुसैन (17) और जियाउल हुसैन (14) के रूप में की गई है। दोनों कचुदरम पुलिस स्टेशन के तहत गंगानगर भाग-2 गांव के निवासी थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बिजली गिरने की

घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई जब वे सभी मैदान पर खेल रहे थे। अगरतला से गुवाहाटी जा रही एक बस बुधवार रात दिमा हसाओ जिले के दिटोकचेरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 27 वर्षीय त्रिपुरा निवासी डी देवबर्मन की मौत हो गई।

हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बहा

अधिकारियों के अनुसार, दिमा हसाओ जिले में मियुंगख्रो और हरंगाजाओ के बीच तेज बारिश के पानी से हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बह गया है, जबकि लुमडिंग और बदरपुर मार्ग के बीच रेलवे ट्रैक बह गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने कहा कि बराक घाटी और त्रिपुरा को लुमडिंग से जोड़ने वाली अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या पुनर्निर्धारित किया गया है। सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बदरपुर टूरिस्ट एक्सप्रेस, रंगिया-सिलचर एक्सप्रेस, गुवाहाटी-दुल्लभचेरा एक्सप्रेस, सिलचर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, सिलचर-नाहरलागुन स्पेशल ट्रेन सहित कम से कम छह ट्रेनें 6 या 7 मई तक रद्द कर दी गई हैं। अगरतला-सिकंदराबाद स्पेशल समेत कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। सब्यसाची डे ने कहा कि विभाग क्षतिग्रस्त इलाकों की मरम्मत के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। उन्होंने बताया, हमने मरम्मत कार्यों के कारण अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया है या उनके समय में बदलाव किया है।

पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग

परिणामस्वरूप, असम और तीन पड़ोसी राज्यों के एक बड़े हिस्से सहित पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग होने के कगार पर है। यात्रियों के मुताबिक, इसके कारण फ्लाइट का किराया काफी ज्यादा हो गया है। यात्रियों के अनुसार, सिलचर-गुवाहाटी और सिलचर-कोलकाता के बीच उड़ान का किराया प्रति टिकट 16,000 से अधिक हो गया है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, असम और पड़ोसी राज्यों में शुक्रवार को और रविवार से चार दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बार-बार बिजली गिरने की सूचना मिली है।

राम मंदिर पर पाकिस्तान ने यूएन में फिर उगला जहर

- भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने दिया ऐसा जवाब कि बोलती हो गई बंद

जिनेवा (एजेंसी)। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ जहर उगलना लगातार जारी है। पड़ोसी मुल्क ने फिर एकबार संयुक्त राष्ट्र में राम मंदिर का मुद्दा उठाया। हालांकि, इस बार उसे ऐसा जवाब मिला कि बोलती बंद हो गई है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा गए बयान को विनाशकारी और हानिकारक बताया। साथ ही पाकिस्तान को तीखा जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान का सभी पहलुओं पर सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने 'शांति की संस्कृति' पर महासभा में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मामलों का जिक्र करते हुए भारत के खिलाफ लंबी टिप्पणी की थी। रुचिरा कंबोज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व आईएएस समेत अन्य की 205 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (धनशोधन) मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर के भाई और कुछ अन्य लोगों की 205 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां कुर्क कर ली हैं। ईडी की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि कुर्क की गई संपत्तियों में टुटेजा की 15.82 करोड़ रु की 14 संपत्तियां, रायपुर के मेयर और कांग्रेस नेता ऐजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की 116.16 करोड़ रु की 115 संपत्तियां, विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू की 1.54 करोड़ रु की और अरविंद सिंह से जुड़ी 12.99 करोड़ रुपए की 33 संपत्तियां शामिल हैं। इनके अलावा भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी और एक्साइज विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रु की संपत्ति, त्रिलोक सिंह ढिल्लन की 28.13 करोड़ रु की नौ संपत्तियां, नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रु के आभूषण और आशीष सौरभ केडिया/दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ रु की चल संपत्तियां को कुर्क किया गया है। ईडी ने बताया कि अनवर ढेबर कुर्क की गई सम्पत्तियों में रायपुर स्थित होटल वेनिंग्टन कोर्ट भी शामिल है, जो उनकी फर्म ढेबर बिल्डकॉन द्वारा चलाया जा रहा है। इसके अलावा एक व्यवसायिक इमारत अकॉर्ड बिजनेस टॉवर भी शामिल है। कुर्क की गई सभी सम्पत्तियों की कुल कीमत 205.49 करोड़ रुपए है। इससे पहले शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में विधु गुप्ता को गिरफ्तार किया था।

कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत

- बना डाली सड़क, भारत सरकार ने भी उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है। दरअसल चीन सियाचिन कॉरीडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है। भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के अवैध प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया।

दूसरों को सुनाते थे सजा, आज खुद कठघरे में

एससी ने बुरी तरह फटकारा, फिर थमा दिया अवमानना का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के दो सदस्यों को कड़ी फटकार लगाई है और उन्हें अवमानना का नोटिस थमाया है। शीर्ष अदालत ने एक रियल एस्टेट फर्म के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से परहेज करने के अपने 1 मार्च के आदेश का उल्लंघन करने के खिलाफ ये आदेश दिया है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ के सामने आयोग के सदस्य सुभाष चंद्रा और डॉ. साधना शंकर खुद पेश हुए थे। इन दोनों ने शीर्ष अदालत के स्थगन आदेश के बावजूद रियल एस्टेट कंपनी के निदेशकों को गैर-जमानती वारंट जारी किए थे। आयोग के दोनों सदस्यों को पीठ ने कड़ी फटकार लगाई और पूछा कि स्थगन के बावजूद आपने गैर जमानती वारंट कैसे जारी किया। इसके साथ ही खंडपीठ ने पूछा कि आप दोनों अदालत को यह बताएं कि आपके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। हालांकि, दोनों सदस्यों ने हलफनामा दायर कर कोर्ट को बताया कि उनसे अनजाने में ये गलती हुई है लेकिन टॉप कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुआ। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, आज की सुनवाई के दौरान पेश हुए एनसीडीआरसी के दोनों सदस्यों और उनके वकील अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से बातचीत के बाद भी पीठ उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुई। उनकी दलीलें सुनने के बाद जस्टिस अमानुल्लाह ने अटॉर्नी जनरल से कहा,आपका हम सम्मान करते हैं, इसलिए आपसे सीधे सवाल पूछ रहे हैं। क्या आप अभी भी अपने हलफनामे पर टिके हैं। हां या नहीं, क्योंकि इसके गंभीर दंडात्मक परिणाम होंगे, हम इसे अवहेलना मानते हैं... आपको इस बारे में सावधान रहना होगा कि आप कहां किस पेपर पर हस्ताक्षर करते हैं! इसके बाद अटॉर्नी जनरल ने आयोग के दोनों सदस्यों की तरफ से कोर्ट से माफी मांगी और फिर कहा कि उन्होंने जानबूझकर ये गलती नहीं की है। अटॉर्नी जनरल ने कहा, मैं ईमानदारी से और बिना शर्त माफी मांगता हूं। कृपया किसी भी बात को जानबूझकर नहीं समझें। हो सकता है कि मैं यह बताने में विफल रहा हूं।

संकट मोचन संगीत समारोह

उस्ताद राशिद खान के सम्मान में नमी से भर गयी हर आंख

राजेन्द्र शर्मा
(लेखक कलाविज्ञ और उप्र सरकार में अधिकारी हैं)

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन की चौथी निशा एक अद्भुत इतिहास रच गयी। उस्ताद राशिद खान के निधन के बाद उनके उत्तराधिकारी उस्ताद अरमान खान संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी हाजिरी लगाने आये थे। खान परिवार की संकट मोचन के दरबार और और महंत बिशम्भर नाथ मिश्र से गहन आत्मीय संबधों के फलीभूत उस्ताद अरमान खान अपनी साजिन्दों के साथ ही नही आये थे, साथ में आई थी उनकी मां और बहन। उस्ताद राशिद खान के फन के कद्रदानों ने इस नाजुक वक्त पर इस कदर दिल खोलकर उस्ताद अरमान खान का स्वागत किया गया मानो उस्ताद राशिद खान साहब को आश्वस्त कर रहे हो कि अरमान आपका नही, हमारा भी बच्चा है और आप ही की तरह हमेशा हमारी पलकों पर रहेगा।

उस्ताद अरमान खान ,जो दूसरी बार संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी हाजिरी लगाने आये थे, भी मौके की नजाकत को बखूबी समझ रहे थे। बीते साल जब वह स्वतंत्र रुप से पहली हाजिरी लगाने आये थे तो पिता उस्ताद राशिद खान की घनी छाया उनके सिर पर थी पर इस बार पिता का साया नहीं है। श्रोताओं की भावनाओं को हृदय की गहराई से समझते हुए उस्ताद अरमान खान ने अपनी प्रस्तुति के बाद एक मासूम बच्चे की मानिंद पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार किया कि मेरी आज की प्रस्तुति के वक्त बाबा ने जो भी सिखाया था वह दिमाग में था। एक झलक उनकी बार-बार आ रही थी। आज एक सा रे गा.. भी लगा रहा हूं तो यह उनकी ही देन है। मैं तो इस काबिल भी नहीं हूं कि इतने बड़े मंच पर बैठ सकूं। पिता की मशहूर बांदिशें गाकर श्रोताओं की आखें गीली कर जब उस्ताद अरमान खान मंच पर खड़े हुए तो महंत बिशम्भर नाथ मिश्र भाव विहल ने माईक संभाला और श्रोताओं की नम हो चुकी आखों में झांकते हुए धैर्य बंधाया कि राशिद खान साहब कही नहीं गये है, वह अरमान खान के रुप में हमारे बीच है और हम सब इस बच्चे के कस्टोडियन है, उस्ताद राशिद खान जिस ऊंचाईयों तक पहुंचे, उस मुकाम तक अरमान खान को ले जाने की जिम्मेदारी हम सब की है। महंत बिशम्भर नाथ मिश्र का उद्बोधन सुनकर श्रोता अपनी जगह से उस्ताद राशिद खान के सम्मान में उठ खड़े हुए। अरमान खान, उनकी मां और बहन

सभी की आखें नम। शायद उन्होनें सोचा भी नही होगा कि उस्ताद राशिद खान जिस विरासत को छोड़ गये है,उसका सार्वजनिक रुप से श्रोता दीवानगी की हद तक अभिवादन करेगें।

संकट मोचन संगीत समारोह में संगीत रसिकों से मिले इस प्रेम ने उस्ताद अरमान खान भावुक हो उठे और उन्होनें कहा कि मेरा बस चले तो मैं बनारस में ही बस जाऊं। यहां आकर जो प्यार, सुकून और आशीर्वाद मिलता है उसका कोई जवाब नहीं है। इसलिए यहां बार-बार आने का मन करता है।

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन की चौथी निशा में रचा अद्भुत इतिहास एकाएक नही रचा है, इसके पीछे निस्वार्थ प्रेम,दो खुले दिमाग की हस्तियों के बीच हुए संवाद, एक दूसरे के प्रति समर्पण के किस्से को भी जानना जरुरी है। दस वर्षो का यह लेखा जोखा कुछ इस तरह से है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में घराने सर्वोपरि है,उसके बाद कलाकार है और हर घराने के कलाकार अपने घराने को ज्यादा बेहतर मानते है। अपने अपने घराने को सर्वोपरि मानने की इस जुस्तजू में बनारस घराने के कलाकार और रामपुर सहसवान घराने के उस्ताद राशिद खान के बीच कुछ ऐसा हुआ कि उस्ताद राशिद खान ने मुंह से निकल बेसाख्ता निकल गया कि चाहे जो हो जायें , बनारस में कभी नही गाऊगा।

साल 2006 में महंत वीरभद्र मिश्र द्वारा मुस्लिम कलाकारों के लिए संकट मोचन संगीत समारोह के द्वार खोलने के ऐतिहासिक फैसले के बाद श्रोताओं की निगाह हर बरस संकट मोचन संगीत समारोह की कार्यक्रम सारिणी में उस्ताद राशिद खान का नाम ढूंढती और उनका नाम न होने पर निराश हो जाती।

इस बीच उस्ताद राशिद खान का जादू अपने पूरे यौवन पर था। इधर साल 2013 तक आते आते संकट मोचन संगीत समारोह अपने आयोजन के शतक लगाने से बस दस कदम दूर था। साल 2013 में 90वां आयोजन हो चुका था और मुस्लिम कलाकारों के लिए संकट मोचन संगीत समारोह के आठ साल बीत जाने के बाद भी उस्ताद राशिद खान की हाजिरी न लगने की दशा में श्रोताओं ने मान लिया था कि संकट मोचन संगीत समारोह उस्ताद राशिद खान की अनुपस्थिति बनी ही रहेगी।

साल 2013 के माह मार्च में प्रो. बिशम्भर नाथ मिश्र संकट मोचन मंदिर के 13वें महंत बनें। प्रो. बिशम्भर नाथ मिश्र सार्वजनिक रुप से घोषणा करने का साहस रखते है कि वह अव्वल दरजें के जिद्दी है, अपनी जिदद के लिए वह किसी की नहीं सुनते और लीक से हटकर काम करने का, फैसले करने का संस्कार उन्होंने अपने देवतुल्य पिता पूर्व महंत वीरभद्र मिश्र से वंशानुगत पाया है, इसमें उनका क्या दोष।

अपने स्वभाव और वंशानुगत रुप से मिले संस्कारों के तहत प्रो. बिशम्भर नाथ मिश्र ने अगले ही साल कुछ नया करने का मन बना लिया था। साल 2014 के 90वें संकट मोचन समारोह की तैयारियों के लिए जुटे महंत जी ने एक दिन उस्ताद राशिद खान को फोन लगाकर अपने ताव की शैली (जिसे भी वह बिना किसी हिल हुज्जत के स्वीकार करते है) में उस्ताद राशिद खान से कहा गया कि सुनने में आया है कि आपने फैसला कर रखा है कि बनारस में कभी नही गायेगें लेकिन हम चाहते है कि आप संकट मोचन संगीत समारोह में इस साल अपनी हाजिरी लगाये।

महंत बिशम्भर नाथ मिश्र का आमत्रण सुनकर उस्ताद राशिद खान हक्के बक्के रह गये। दरअसल वह खुद भी संकट मोचन संगीत समारोह में हाजिरी लगाना चाहते थे,उन्हें बस एक बुलावे भर का इंतजार था। महंत मिश्र का आमंत्रण सुनकर उस्ताद राशिद खान ने कहा कि बनारस में गाने के लिए ही तो मना किया था, संकट मोचन में गाने के लिए तो मैंने कभी भी मना नही किया। कुल मिलाकर तारीख तय हो गयी। साल 2014 में श्रोताओं के धैर्य की लंबी परीक्षा के बाद उस्ताद राशिद खान 91वें संकट मोचन संगीत समारोह में आये और जी भर के सुरों की रसवर्षा की।

उसके बाद तो उस्ताद राशिद खान हर साल अप्रैल का इन्तजार बड़ी शिद्दत से करते। वर्ष 2014 से 2024 तक यानि शताब्दी समारोह तक उस्ताद राशिद खान ने हर साल संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी सुरों के रंग बिखेरे। यहां तक कि कोविड काल के दो आयोजन जो डिजीटली आयोजित किये गये थे , मैं भी उस्ताद राशिद खान साहब ने अपनी हाजिरी लगायी।

इतने वर्षो में उस्ताद राशिद खान महंत बिशम्भर नाथ मिश्र की सोच, उनकी जिदद और बिना किसी मलिनता के जीवन को जीने की शैली के मुरीद हो चुके थे। उन्होनें अपने बेटे अरमान खान की गंडाबंध की रस्म का आयोजन किया तो अपने एक मौलवी के साथ महंत बिशम्भर नाथ मिश्र को भी पूरे सम्मान के साथ आमंत्रित किया। महंत बिशम्भर नाथ मिश्र की मौजूदगी में ही अरमान खान की गंडाबंध रस्म की अदायगी हुई।

बीते साल संकट मोचन संगीत समारोह के शताब्दी समारोह में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर मुहैया कराने के प्रबल पक्षधर महंत बिशम्भर नाथ मिश्र ने उस्ताद राशिद खान को तो प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया ही, अरमान खान को भी संकट मोचन संगीत समारोह में पहली बार स्वतंत्र प्रस्तुति के आमंत्रित किया गया। अपने फन के बेताज बादशाह उस्ताद राशिद खान अपने ही बेटे पर भारी न पड़ जायें, इस गरज से दोंनों की प्रस्तुति के लिए दिन भी अलग अलग मुकर्रर किये गये। पिता पुत्र दोंनों ने शताब्दी आयोजन में संकट मोचन के दरबार में अपनी हाजिरी लगायी। जब तक उस्ताद राशिद खान को प्रोस्टेट कैंसर होने की रिर्पोट आ चुकी थी। कैंसर से लडते हुए उस्ताद राशिद खान को एक पिता के रुप में निश्चित रुप से संतोष रहा होगा कि जिस संकट मोचन संगीत समारोह में हाजिरी लगाने के लिए उन्हें अपने जीवन के 47वें वर्ष का इन्तजार करना पड़ा ,उसी संकट मोचन संगीत समारोह में उनके उत्तराधिकारी ने बीस साल की उम्र में हाजिरी लगा दी है। साथ ही प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित उस्ताद राशिद खान साहब संकट मोचन संगीत समारोह के शताब्दी समारोह में अपने हाजिरी से भी गौरवान्वित रहे होंगे।

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन की चौथी निशा में जो कुछ हुआ , वह उस्ताद अरमान खान, उनकी मां और बहन स्वाभाविक रुप से कभी नही भूल पायेंगें लेकिन श्रोता के दिलो दिमाग पर भी उस दिन जो घटा वह जीवन भर अंकित रहेगा। इस सारे किस्से का एक ही फलसफा है कि दुनिया के सारे दरवाजे खुले दिमाग की सोच से ही खुलते है।

फिलीपीन्स और श्रीलंका का डेलीगेशन मतदान प्रक्रिया का अवलोकन करने आएगा मध्यप्रदेश

डेलीगेशन 5 से 8 मई तक तीसरे चरण की निर्वाचन प्रक्रिया का करेगा अवलोकन

भोपाल (नप्र)। भारतीय लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा आम निर्वाचन-2024 की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन करने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न देशों के डेलीगेशन को अलग-अलग राज्यों में भेजा जा रहा है। इसी अनुक्रम में मध्यप्रदेश में फिलीपीन्स और श्रीलंका का 11 सदस्यीय डेलीगेशन भोपाल आयेगा। यह डेलीगेशन 5 से 8 मई तक भोपाल में रहेगा और इस दौरान मतदान की तैयारियों व मतदान प्रक्रिया का अवलोकन करेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि फिलीपीन्स के 'कमीशन ऑन इलेक्शन्स' की एसोसिएट कमिश्नर सुश्री सोकोर्रो बी. इंटिंग के नेतृत्व में 3 सदस्यीय डेलीगेशन भोपाल आयेगा। इस डेलीगेशन में डायरेक्टर सुश्री सेलिया बी. रोमेरो एवं एग्जीक्युटिव असिस्टेंट सुश्री लेसली एन सी. कॉनक्विला भोपाल आएंगी।

इसी तरह श्रीलंका के 'प्रेसीडेंशियल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी टू मेक रिकमंडेशन्स फॉर इलेक्शन लॉ रिफार्म्स' के चेयरमैन जस्टिस वीवेज प्रियसथ गेरार्ड डेप के नेतृत्व में 8 सदस्यीय डेलीगेशन भोपाल आ रहा है। इस डेलीगेशन में कमीशन मेम्बर श्री सुंथारम अरूमैनायाहम, कमीशन मेम्बर श्री अलीसंदारालेज सेनानायके, कमीशन मेंबर श्री अहमद लेब्बे मोहम्मद सलीम, कमीशन मेंबर सुश्री निमालका फर्नान्डो, कमीशन मेंबर श्री विथारानागे दीपानी सामंथा रॉडरिगो, कमीशन मेंबर श्री एलन करमाइकल वेरे तंबिनायागम डेविड सहित कमीशन

सेकेट्री श्री माधवा देवासुरेन्द्र भी भोपाल आएंगे।

श्री राजन ने बताया कि यह डेलीगेशन 5 मई को भोपाल पहुंचेगा। यह डेलीगेशन 6 मई को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक दलों की रवानगी सहित अन्य मतदान तैयारियों का अवलोकन करेगा। सात मई को यह डेलीगेशन भोपाल, सीहोर, रायसेन और विदिशा जिले के मतदान केन्द्रों में मतदान प्रक्रिया का मौके पर जाकर अवलोकन करेगा। साथ ही मतदाताओं से चर्चा भी करेगा।

उल्लेखनीय है कि 8 मई को दोपहर 12 बजे यह डेलीगेशन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय आएगा और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन से भेंट कर अपने अनुभव साझा करेगा। डेलीगेशन इसी दिन भोपाल से प्रस्थान करेगा।

मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले

प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में चार चरणों में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है। पहले व दूसरे चरण के छह-छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। तीसरे चरण में 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 7 मई को और चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा।

श्री राजन ने बताया कि अगले दोनों चरणों के मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे।

श्री राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। आयोग के नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे।

श्री राजन ने बताया कि तीसरे चरण के 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों मुरैना, भिंड (अजा), ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ एवं बैतूल (अजजा) में 6 मई एवं मतदान तिथि 7 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसी प्रकार चौथे चरण के 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 12 मई एवं मतदान तिथि 13 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा।

भोपाल की कबाड़ फैक्ट्री में लगी आग

नरवाई की आग ने लिया चपेट में; गोदाम में रखा था कई टन प्लास्टिक और लाइलोन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिशनखेड़ी स्थित एक कबाड़ की फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री कैंपस में ही बने गोदाम में प्लास्टिक और लाइलोन का कई टन कबाड़ रखा था। जिससे आग की लपटों पर काबू पाने में मशक्कत करनी पड़ी।

आग लगने की वजह खेत की नरवाई में लगी आग बताई जा रही है। जिसने फैक्ट्री और गोदाम को भी चपेट में ले लिया। सूचना पर गांधी नगर समेत अन्य फायर स्टेशनों से 10 से ज्यादा दमकलें मौके पर पहुंची, और आग पर काबू पाया गया।

फैक्ट्री और गोदाम में बड़ी मात्रा में समान- यह फैक्ट्री केएन ट्रेडर्स के नाम से है। जिसके मालिक कामरान खान है। फैक्ट्री में कई टन कबाड़े का सामान रखा था। जिसमें प्लास्टिक का सामान भी शामिल था।

खेत में नरवाई जलते पाया- आग लगने की सूचना मिलते ही भोपाल से दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने लगी। गांधीनगर फायर स्टेशन के फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि सबसे पहले नरवाई की आग बुझाई गई। ताकि फैक्ट्री में लगी आग ज्यादा नहीं फैले।

भोपाल के गांधीनगर में 5 लाख की अवैध शराब जब्त

झाड़ियों में छुपा रखे थे शराब से भरे ड्रम-कुप्पे; जमीन पर बहाकर नष्ट की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधीनगर से 5 लाख रुपए से ज्यादा की अवैध शराब जब्त हुई है। आबकारी विभाग ने शुक्रवार सुबह यहां कार्रवाई की। शराब का अवैध कारोबार करने वालों ने शराब से भरे ड्रम और कुप्पे झाड़ियों में छुपा रखे थे। जब्त करने के बाद शराब जमीन पर बहाकर नष्ट की गई।

जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। तीन से चार टीमों ने संयुक्त रूप से गांधीनगर के नई बस्ती, हरिओम नगर में दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। यहां से कुप्पों और ड्रमों से 390 लीटर हाथभट्टी शराब, 4560 किलो लाहन जब्त किया गया। मामले में 17 केस दर्ज किए गए हैं। शराब की कीमत 5 लाख 15 हजार रुपए आंकी गई है।

सुभाषनगर से भी शराब जब्त की- एक अन्य कार्रवाई में सुभाष नगर स्थित आचार्य नरेंद्र देव नगर में एक महिला से 15 पाव प्लेन शराब जब्त की गई। बता दें कि एक दिन पहले गुरुवार को भी बैरसिया रोड के कई गांवों में आबकारी विभाग ने कार्रवाई की थी। कार्रवाई के दौरान 20 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। गुरुवार को भी आबकारी विभाग ने अवैध शराब और लहान बहाकर नष्ट किया था।

चुनाव के चलते कार्रवाई- लोकसभा चुनाव के चलते आबकारी विभाग की टीमें कार्रवाई कर रहा है। गुरुवार को रतुआ पठार, हर्राखेड़ा, तरावली जोड़, करारिया जोड़, बैरासिया पठार, धमर्रा, हिरनखेड़ी, करणपुरा आदि गांवों में दबिश दी गई थी। यहां से जब्त शराब को जमीन पर बहाया गया था। शुक्रवार को भी अवैध शराब नष्ट की गई।

भोपाल निगम अमले को पीटने वालों के घर नोटिस चस्पाया

3 दिन में भवन अनुमति के दस्तावेज मांगे; अवैध होने पर टूटेगा मकान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में निगम के कर्मचारियों को पीटने वाले दोनों भाइयों के घर पर शुक्रवार सुबह नगर निगम ने नोटिस चस्पा दिया। जिसमें 3 दिन के अंदर भवन अनुमति के दस्तावेज तलब किए गए हैं। अवैध होने पर घर टूट भी सकता है। इधर, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने इसी मुद्दे पर आज कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों की मीटिंग भी बुलाई है।

बता दें कि गुरुवार दोपहर में निगमकर्मी मो. साजिद (28) निवासी शाहजहांनाबाद, रेखा इंगले और करण इंगले से मारपीट की गई थी। वे वार्ड-15 के जेपी नगर की गली नंबर-3 में वे डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने पहुंचे थे। इसी दौरान तारिक पिता कम्मू खान और उसका छोटा भाई छोटू कचरा डालने आए। कर्मचारियों ने उनसे सूखा और गीला कचरा अलग-अलग देने को कहा था। इसी बात पर दोनों भाइयों

ने अभद्रता करते हुए निगमकर्मियों से मारपीट की थी। साथ ही तलवार से काट देने की बात भी कही। मारपीट के विरोध में कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को गौतम नगर थाने का घेराव कर दिया था।

पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया- हमले के विरोध में कर्मचारियों ने गौतम नगर थाने का घेराव भी किया था। इसके बाद आरोपियों के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज किया था। कर्मचारियों की चेतावनी के बाद शाम को पुलिस ने दोनों भाइयों को हिरासत में ले लिया था।

पकड़े जाने पर गाड़ियां कचरा लेने निकली

भोपाल में करीब 450 कचरा कलेक्शन गाड़ियां चलती हैं। मध्यप्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ ने गुरुवार शाम तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शुक्रवार से गाड़ियां नहीं चलाने की चेतावनी दी थी। हालांकि, शाम को ही पुलिस ने दोनों भाइयों को पकड़ लिया था। इसके चलते शुक्रवार सुबह गाड़ियां डोर-टू-डोर कचरा लेने के लिए पहुंच गई।

400 स्क्वेयर फीट के मकान की अनुमति मांगी

निगम ने आरोपियों के घर पर जो नोटिस चस्पाया है, उस पर 400 स्क्वेयर फीट के मकान की अनुमति की जानकारी मांगी गई है। 3 दिन में अनुमति समेत अन्य दस्तावेज देने होंगे। निर्माण अवैध पाए जाने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल के चूना भट्टी में पानी की लाइन फूटी

20 फीट तक ऊंचा फव्वारा; कोलार सिक्सलेन की खुदाई से लीकेज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के चूना भट्टी चौराहे पर शुक्रवार सुबह पानी की लाइन फूट गई। इससे पानी का फव्वारा 20 फीट तक ऊपर उठ गया। करीब 3 घंटे में लाखों लीटर पानी बह गया। निगम की टीमें लाइन को सुधार रही है। कोलार सिक्सलेन में खुदाई के चलते यह लाइन ब्रेक हुई थी।

सुबह पौने 11 बजे चूना भट्टी चौराहा स्थित मां काली मंदिर के ठीक सामने यह लाइन फूट गई। निगम के कार्यपालन यंत्री अजय मालवीय ने बताया, यह डिस्ट्रिब्यूशन लाइन है। जिससे कुछ इलाके में पानी की सप्लाई होती है। कोलार सिक्सलेन निर्माण के चलते ज्यादातर लाइन शिफ्ट हो गई है, लेकिन काली मंदिर के पास शेड होने की वजह से शिफ्ट नहीं हो पाई। शुक्रवार को काम करते समय लाइन ब्रेक हो गई। टीम इसे सुधार रही है।

सप्लाई होने के बाद फूटी लाइन- निगम के सहायक यंत्री गौरव परमार ने बताया, इस लाइन से ईश्वर नगर समेत आसपास के क्षेत्र में पानी की सप्लाई होती है। शुक्रवार को पानी सप्लाई हो गया था। इसके बाद लाइन फूट गई। इसे सुधार रहे हैं।

पानी के फव्वारे का लुत्फ लेने लगे लोग- करीब 3 घंटे तक सड़क पर पानी बहता रहा। इसे देखने के लिए गुजर रहे राहगीर रुक गए और मोबाइल से फोटो-वीडियो बनाने लगे, हालांकि कई दुकानदार और रहवासियों के लिए यह आफत भी बन गया। फव्वारे की वजह से मंदिर के पास की दुकानों का सामान भीग गया।

भोपाल की महिला डॉक्टर से जयपुर में रेप

आरोपी डॉक्टर ने शादी के नाम पर पीड़िता को बुलाया था, 2 महीने बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

भोपाल (नप्र)। भोपाल की महिला डॉक्टर से जयपुर में ज्यादती के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी डॉक्टर दर्शन राठौर ने 24 दिसंबर 23 को पीड़िता को शादी करने के बहाने जयपुर बुलाया था। वहां आरोपी ने पीड़िता को मकान नंबर 63 गंगा वाल पार्क एसएमएस अस्पताल के पास स्थित घर में ठहराया। यहां उसने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि जल्द हम शादी करने वाले हैं। लिहाजा संबंध बनाने का दबाव बनाया।

इसके बाद आरोपी ने पीड़िता की मर्जी के खिलाफ पहली बार संबंध बनाए। बाद में 26 जनवरी 2024 से लेकर 29 मार्च 24 तक कई और बार जयपुर स्थित अपने घर में उसके साथ ज्यादती की। इतना ही नहीं विरोध करने पर एक बार आरोपी ने पीड़िता को तीन दिन तक बंधक बनाकर रखा। उसके साथ मारपीट भी की। अब आरोपी ने शादी से भी इनकार कर दिया है। तब फरियादी महिला ने थाना खजूरी भोपाल में शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जीरो पर कायमी कर केस डायरी को जयपुर पुलिस को सौंप दी। इसके बाद राजस्थान पुलिस ने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (SMS) के थाने मामला दर्ज किया है।

दिल्ली एम्स में हुई थी मुलाकात- खजूरी सड़क थाना पुलिस के मुताबिक 27 वर्ष की युवती क्षेत्र में स्थित एक मेडिकल कॉलेज में पीजी की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता मूल रूप से छिंदवाड़ा की रहने वाली है। फिलहाल कॉलेज के हॉस्टल में ही रह रही है। वर्ष 2023 में दिल्ली एम्स में आयोजित कार्यक्रम में उसकी मुलाकात जयपुर के डॉक्टर दर्शन राठौर से हुई थी। दोनों में वहीं दोस्ती और फिर फोन पर बातचीत होने लगी थी।

पीड़िता को पीटता था आरोपी- आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता को दिसंबर 2023 में जयपुर बुलाया, वहां ज्यादती की। इसके बाद अलग-अलग समय पर उसे जयपुर बुलाकर तीन और बार रेप किया। उसके साथ मारपीट की और जबरन रूम में बंधक बनाकर रखा। जीरो पर केस दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई के लिए केस डायरी को जयपुर पुलिस को सौंप दिया है।

पुलिस ने बताया कि भोपाल (मध्यप्रदेश) की रहने वाली महिला डॉक्टर के अनुसार जनवरी 2023 में उसकी मुलाकात डॉक्टर दर्शन कुमार से हुई थी।

भाजपा विधायक ने टीआई को धमकाया

ऐसी जगह फिंकवाऊंगा कि वापस नहीं आएगा; शिवराज की सभा में माइक बंद होने पर भड़के

मंडीदीप (नप्र)। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की चुनावी सभा में माइक बंद हुआ तो उन्होंने भाषण रोक दिया। घड़ी दिखाते हुए पूछा- 'माइक कैसे बंद कर दिया? अभी दस नहीं बजे हैं, चालू करो।' वहीं, मंच पर मौजूद विधायक सुरेंद्र पटवा ने थाना प्रभारी को धमका दिया। पटवा ने कहा, इधर आ, ऐसी जगह फेंकवाऊंगा कि वापस नहीं आएगा। गुरुवार रात की सभा का ये वीडियो शुक्रवार को सामने आया।

पूर्व सीएम और विदिशा से लोकसभा प्रत्याशी शिवराज प्रचार करने मंडीदीप पहुंचे थे। उन्होंने दुर्गा मंदिर से रोड शो किया। इसके बाद वे एक चुनावी सभा को संबोधित करने सतलापुर चौराहे पर पहुंचे। रात के 10 बजते के आसपास माइक बंद हो गया। इस पर विधायक सुरेंद्र पटवा थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर पर भड़क गए। यह देख शिवराज भी कुछ पल असहज दिखाई दिए। हालांकि, इसके बाद माइक पुनः चालू कर दिया गया। शिवराज ने अपना भाषण शुरू कर दिया।

एसपी बोले- टेक्निकल प्रॉब्लम के चलते साउंड बंद हुआ था- रायसेन एसपी विकास कुमार शहवाल का कहना है कि रात 10 बजे के दो या तीन मिनट पहले टेक्निकल इशू के चलते माइक बंद हुआ था, जो कुछ सेकेंड में फिर चालू हो गया। अभी किसी प्रकार कोई शिकायत नहीं आई है।

कांग्रेस ने कहा- अशोभनीय और निंदनीय कृत्य- प्रदेश कांग्रेस ने विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा- बीजेपी का अहंकार देखो, चुनाव आचार संहिता का पालन कराने पर बीजेपी के मंच से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सवाल किए और सुरेंद्र पटवा ने थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर को बदतमीजी करते हुए धमकाया। शिवराज जी, एक पूर्व मुख्यमंत्री का यह स्तर बेहद अशोभनीय और निंदनीय कृत्य।

कबाड़ियों को नियंत्रित करने बुलाना पड़ी पुलिस

मंत्रालय में आग लगने के बाद जले फर्नीचर, ई वेस्ट को खरीदने आए 92 कबाड़ी

भोपाल (नप्र)। मंत्रालय में दो माह पहले लगी आग के फर्नीचर और ई वेस्ट समेत अन्य सामग्री खरीदने के लिए लोक निर्माण विभाग के दफ्तर में 92 कबाड़ी इकट्ठा हो गए। हालात यह बने कि इन कबाड़ियों को नियंत्रित करने के लिए पीडब्ल्यूडी के अफसरों को पुलिस की मदद मांगनी पड़ी और इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में मंत्रालय में जलकर खाक हुई संपत्ति की नीलामी की गई है। मंत्रालय में आग से जलकर नष्ट हुई सामग्री को जब हटा लिया जाएगा तो लोक निर्माण विभाग इसके रेनोवेशन का काम शुरू कराएगा।

राजधानी के मंत्रालय में 9 मार्च को लगी आग में चौथे और पांचवें मंजिल के कमरों में भारी नुकसान हुआ था। यहां तीन मंत्रियों के चेंबर में रखे कुर्सी, टेबल और अन्य सामग्री जलकर खाक होने के साथ मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ कई अफसरों के चेंबर भी आग की चपेट में आए थे। इस मामले की जांच के बाद अब मंत्रालय में रखरखाव का काम देख रहे अधिकारी यहां से जली हुई सामग्री को हटाने की प्रक्रिया पूरी करने में जुटे हैं। इसी तारतम्य में बुधवार को राजधानी परिक्षेत्र के पीडब्ल्यूडी दफ्तर में मंत्रालय में जली कुर्सी, टेबल, पर्दे और अन्य सामग्रियों की नीलामी के लिए टेंडर बुलाए गए थे। मंत्रालय और लोक निर्माण विभाग के अफसरों के अनुसार इस टेंडर प्रक्रिया के दौरान भोपाल के 92 कबाड़ी वहां इकट्ठा हो गए। इतने कबाड़ियों की भीड़ जुटने की उम्मीद पीडब्ल्यूडी के अफसरों को नहीं थी और स्थिति यह बनी कि कई बार गदर की स्थिति बन गई। इसे देखते हुए पीडब्ल्यूडी के अफसरों को पुलिस बुलाकर नीलामी की कार्यवाही पूरी करानी पड़ी।

13 लाख थी आफसेट प्राइज, दोगुने में बिका माल- मंत्रालय के पांचवी और चौथी मंजिल के दर्जन भर कमरों में हुए नुकसान में खराब हुई सामग्री की आफसेट प्राइज पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने 13 लाख रुपए तय की थी। इस मामले में विभाग के अधीक्षण यंत्री योगेंद्र सिंह का कहना है कि जो कीमत तय थी, उसके दोगुने रेट पर सामग्रियों की नीलामी हुई है और सरकार को नीलामी में तय राशि से अधिक राशि मिलने से फायदा हुआ है।

हमीदिया अस्पताल के गार्डस ने महिला-पुरुष को पीटा

डीन बोलीं- वो तो शराब के नशे में थे, महिला सुरक्षाकर्मी से बदतमीजी की

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल में गुरुवार रात करीब 10.30 बजे कुछ गार्ड एक महिला और पुरुष को दौड़ा दौड़ाकर बेल्ट और डंडे से पीट रहे थे। इस मामले का वीडियो सामने आया है। वीडियो में जो व्यक्ति मार खा रहा है उसका नाम महेश वर्मा है। महेश ने मीडिया को बताया कि भतीजे का विदिशा में एक्सीडेंट हो गया था। उसे विदिशा से हमीदिया रेफर किया गया था। हम लोग उसे देखने जा रहा थे। तभी सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोका। किसी को भी अंदर जाने नहीं दिया जा रहा था। हम अगर गलत थे तो हमें रोक देते। मारपीट करने की क्या जरूरत थी। मेरे भाई रामबाबू वर्मा और उसकी पत्नी रामसखी वर्मा से गार्ड ने मारपीट की है।

इधर, जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने बताया कि परिजन शराब के नशे में थे। उसने महिला सुरक्षाकर्मी से बदतमीजी की और भागने लगा। यह देखकर गार्ड ने सोचा यह कोई चोर है और सभी उसे पकड़ने के लिए दौड़े। इस बीच वह खुद ही गिर गया। महिला सुरक्षाकर्मी और महिला इस मामले की शिकायत करने थाने पहुंची है।

डीन ने किया निरीक्षण, इमरजेंसी में एक ही डॉक्टर मिला- जीएमसी की नई डीन डॉ कविता एन सिंह ने गुरुवार को हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी विभाग सहित ए और बी ब्लॉक का निरीक्षण किया। इमरजेंसी विभाग में जब डीन पहुंची मुद्दों वहां एक ही डॉक्टर दिखाई दिया। रिकॉर्ड भी मेंटेन नहीं मिला। इस पर उससे समस्या जानी और सीधे उन्हें समस्या बताने के लिए कहा। वहीं इमरजेंसी विभाग में जल्द ही डॉक्टरों की भर्ती करने के लिए कहा।

संपादकीय

ट्रूडो : पंगा लेने पर लाचार

लगता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों की खातिर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ रिश्तों को बिगाड़ने की कसम खा रखी है। घरेलू मजबूरियों के चलते मित्र देशों से रिश्ते खराब करने की जोखिम उठाने का अपने आप में यह विरल मामला है। कनाडा में पनाह लिए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में एक बार फिर पीएम ट्रूडो ने बयान दिया कि कनाडा और भारत के बीच वास्तविक चुनौतियां मौजूद हैं। कनाडा के किसी प्रधानमंत्री के सामने जो सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, वो ये है कि वो कनाडा के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। 'निज्जर की हत्या की घटना का जिक्र करते हुए ट्रूडो ने दावा किया कि इस बात को मानने के भरोसेमंद सबूत मौजूद हैं कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की ज़मीन पर कनाडा के नागरिक की हत्या में शामिल थे। ये वास्तविक समस्या है। ये नियमों को मानने वाले वाली वैश्विक व्यवस्था, खुले लोकतांत्रिक विचारों और संप्रभुता के सिद्धांतों के लिए भी समस्या है जिनके लिए हम खड़े होते हैं।' यही नहीं ट्रूडो उस कार्यक्रम में भी शामिल हुए, जिसे कनाडा के खालिस्तान समर्थक सिखों ने आयोजित किया था और इस कार्यक्रम में ट्रूडो की मौजूदगी में खालिस्तानी नारे भी लगे। ट्रूडो के बयान और उनकी इस कार्यक्रम पर मौजूदगी को भारत सरकार ने बहुत गंभीरत से लिया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जस्टिन ट्रूडो के ताज़ा बयान पर भारत ने कहा है कि इससे दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि हमारे नज़रिये से प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की टिप्पणी कोई नई बात नहीं है, वे पहले भी ये कह चुके हैं। भारत को लेकर उनकी ये टिप्पणी एक बार फिर ये दिखलाती है कि कनाडा में अलगाववाद, चरमपंथ और हिंसा को मानने वाले लोगों को किस तरह का पॉलिटिकल स्पेस दी जा रही है। इससे न केवल भारत और कनाडा के संबंधों पर असर पड़ेगा बल्कि कनाडा में हिंसा और अपराध को बढ़ावा भी मिलेगा। इसके अलावा ट्रूडो के आपत्तिजनक बयान के बाद भारत ने नई दिल्ली में तैनात कनाडा के डिप्टी हाई कमिश्नर को इस सिलसिले में समन किया और इस इवेंट को लेकर 'अपनी चिंता और ज़ोरदार विरोध दर्ज' कराया था। गौरतलब है कि निज्जर को पृथक खालिस्तान राज्य का समर्थक माना जाता था और भारत ने साल 2020 की जुलाई में निज्जर को 'आतंकवादी' घोषित किया था। भारतीय राज्य पंजाब के बाहर दुनिया में सिखों की सबसे बड़ी आबादी कनाडा में रहती है। वहां जिस बड़े पैमाने पर खालिस्तानी गतिविधियां चल रही हैं और जिस तरह लोकतांत्रिक मजबूरियों के चलते ट्रूडो सरकार उसे पनाह दे रही है, उसे देखकर लगता है कि खालिस्तान का मुद्दा आगे चलकर खुद कनाडा के लिए सिरदर्द साबित होने वाला है। कुछ लोग तो यहां तक कहने लगे हैं कि पंजाब में खालिस्तान बनने की संभावना नहीं है लेकिन कल को कनाडा में खालिस्तान बन जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कनाडा की अपने नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निस्संदेह है, लेकिन कैसे नागरिकों के यह सवाल भी तो उतना ही महत्वपूर्ण है। निज्जर कोई आम सिख नहीं था। वह विदेश में रहकर भारत में अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा था। ऐसे व्यक्ति को भारत को सौंपने की जगह कनाडा ने उसे धार्मिक स्वतंत्रता की आड़ में पनाह दे रखी थी। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि ऐसी हरकतों से कनाडा को फायदा क्या है, सिवाय वोट बटोरने के?

कर्नाटक : नये किरदार, नया नाटक

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कर्नाटक का क्रूसीबिल बेतरह खुदबुदा रहा है। कहें तो प्याले में तूफान आया हुआ है। सियासी हलचलों से अशांत सूबे में इस ताजा झंझट का सबब बने हैं देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रेवन्ना। सांसद रेवन्ना कर्नाटक की हासन सीट से जद (स) के उम्मीदवार हैं और जद (स) कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी का सहयोगी दल है। कुछ ही दिन पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देवगौड़ा की मंच पर मौजूदगी में साझा जनसभा को संबोधित किया था। रेवन्ना के चाचा और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी मंड्या से जद (स) के प्रत्याशी हैं। बीजेपी को उम्मीद है कि जद (स) के पराभव के बावजूद उसके वोटबैंक का लाभ बीजेपी को मिलेगा और बीते कल के अपने इस गढ़ में सत्ता गंवा चुकने के बावजूद वह अंकतालिका में सम्मानजनक स्थान पा सकेगी।

हासन में 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। रेवन्ना का अता-पता नहीं है। बताते हैं कि वह जर्मनी भाग गये हैं। उनका मामला सेक्स स्कैंडल से जुड़ा हुआ है। उनके एक हजार से ज्यादा वीडियो सामने आये हैं और उन्होंने चौतरफा सनसनी फैला दी है। कई महिलाओं के साथ ये अश्लील वीडियो मतदान से दो दिन पहले प्रकाश में आये और देखते ही देखते वायरल हो गये। 25 अप्रैल को महिला आयोग की अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री सिद्धारामैया से आपत्तिजनक वीडियो की एसआईटी जांच का आग्रह किया। इस पर सीएम ने जांच का आदेश जारी कर दिया। मामला उजागर होते ही जद (स) और बीजेपी ने अपने हाथ खींच लिये। कुमारस्वामी ने अपने तीखे बयान में कहा कि रेवन्ना जहां भी हैं, उन्हें वापस लाया जायेगा। चाहे मैं हूं या देवगौड़ा, हम महिलाओं का सम्मान करते हैं। इस विवाद से पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। सीएम के आदेश के अनुरूप एसआईटी जांच शुरू हो गयी है।

33 वर्षीय रेवन्ना जिस हासन सीट से पहलेपहल सन् 2019 में सांसद चुने गये, वह देवगौड़ा की परंपरागत सीट है, सन् 2004 से सन् 14 तक देवगौड़ा यहां से निरंतर जीतते रहे। कहना कठिन है कि वीडियो-कांड के उपरांत हासन के मतदाता देवगौड़ा-परिवार को जिताने की परंपरा का निर्वाह करेंगे? आसार तो यह है कि इसकी आंच न सिर्फ कुमारस्वामी को प्रभावित करेगी, बल्कि उसका आंशिक असर भारतीय जनता पार्टी की चुनावी-संभावनाओं पर भी पड़ेगा। गौरतलब है कि कर्नाटक में चुनावी लड़ाई बीजेपी के लिए यूं भी कठिन हो चुकी है, वहां उसके लिये सन् 2019 की सफलता दोहराना संभव नहीं है।

कर्नाटक में किरदार बदल गये हैं और सियासी नाटक की नयी पटकथा लिखी जा रही है। सन् 2019 और सन् 2024 के परिदृश्य में अंतर है।

कर्नाटक अब डबल इंजन सरकारों की फेहरिश्त में नहीं है। कर्नाटक में डीके शिवकुमार जैसा नेता उभर आया है, जो साहसी है और शक्तिशाली भी। सरकारी एजेंसियों के बूते बीजेपी उसका बाल बांका नहीं कर सकी। बीजेपी के पास आज डीके के मुकाबले का कोई नेता नहीं है। दरअसल चेहरों की लड़ाई में बीजेपी समूचे दक्षिण भारत में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से पिछड़ गयी है। बीजेपी के पास तमिलनाडु में स्तालिन, तेलंगाना में रेवंत रेड्डी और कर्नाटक में डीके शिवकुमार का कोई तोड़ नहीं है। आंध्र में शर्मिला उभर रही हैं। कर्नाटक में बीजेपी ने बड़ी तेजी से पांव पसारे थे और उसके डेक्कन-दखल की संभावना दीखने लगी थी, लेकिन गलतियां उसे ले डूबीं। आज प्रभावशाली किरदार निभाने के लिए उसके पास चेहरों का अभाव है। बीते कल के दिग्गज येदियुरप्पा अप्रासंगिक हो गये हैं। धारवाड़ के चुनावी मैदान में प्रह्लाद जोशी को उतारने से लिंगायत रुष्ट हैं। एमएलए तेजस्वनी गौड़ा बीजेपी से इस्तीफा दे चुकी हैं और ईश्वरप्पा निष्कासित। अनुशासन की गाज अनंत कुमार हेगड़े जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता पर भी गिरी है। सहयोगी दल जद (एस) की हथेलियों से रेत बेतरह फिसल चुकी है। उसका वोट बैंक छिटक गया है और अधिकांश हिस्सा पंजे के इर्द-गिर्द जमा हो गया है। शिवकुमार के वोक्कलिगा होने से प्रभावशाली वोक्कलिगा समुदाय बरसों बाद कांग्रेस की ओर लौट आया है। कांग्रेस ने अपने अंतर्विरोधों को दूर करने में भी सफलता पाई है। कोलार में टिकट को लेकर केएच मुनियप्पा और केआर रमेश कुमार में ठनी तो डीके ने यह कहकर समाधान किया कि पार्टी में व्यक्तिवाद के लिए कोई ठौर नहीं है। पार्टी जिसे टिकट देगी, उसके लिए काम करना होगा। कार्यकर्ता डीके की नसीहत पर अमल कर रहे हैं। फलतः बीजेपी के लिए दक्षिण के स्वर्णद्वार में सन् 2019 की सफलता दोहराना दूभर हो गया है।

कर्नाटक की सियासत की स्क्रिप्ट अब सपाट नहीं, बल्कि पेचीदा है। उसमें मोड़ हैं। सनसनी है। और 'एक्स' फैक्टर भी। बीते बरसों में समीकरण बने-बिगड़े हैं। दक्षिण कर्नाटक में वोक्कलिगा बहुल ओल्ड मैसूर और तटीय इलाकों में 26 अप्रैल को मतदान के बाद अब कवायद उत्तरी और मध्य कर्नाटक में तेज हो गयी है, जहां 7 मई को मतदान होगा। मंड्या, हासन और बेंगलूरू ग्रामीण में मतदान के फलस्वरूप कुमारस्वामी, प्रज्वल रेवन्ना और डीके सुरेश के भाग्य का फैसला हो चुका है। अब बारी वीरशैव लिंगायत बहुल बांबे कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक की है। लिंगायत समुदाय समृद्ध जोतों का मालिक है। दक्षिण कर्नाटक के मुकाबले उत्तर में जद (एस) का असर क्षीण रहा है। जहां तक उन 14 लोस-क्षेत्रों की बात है, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ, शिवकुमार ने 10 निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत की संभावना व्यक्त की है। उनका कहना है कि कांग्रेस उत्तर कर्नाटक में भी 14 में से 10 सीटें हासिल कर सकती है। लगभग यही अनुमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का भी है जो मानते हैं कि कर्नाटक में मोदी-लहर जैसी कोई चीज नहीं है। नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक इसके उलट दावा करते हैं और कहते हैं कि एनडीए 14 में से 12 सीट जीतेगा, अलबत्ता वह भी जानते हैं कि कर्नाटक में कांग्रेस ने जबर्दस्त वापसी की है। कर्नाटक में कांग्रेस अब हाशिये में नहीं, वरन मुख्य मुकाबले में है। अगले चरण में एनडीए शिविर के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों- बसवाराज बोम्मै (हवेरी) और जगदीश शेट्टार (बेलगावी) के नसीब का फैसला होगा। इसी दिन दो केन्द्रीय मंत्रियों- प्रह्लाद जोशी (धारवाड़) और भगवंत खूबा (बीदर) के निर्वाचन-क्षेत्रों में भी मतदान होगा। वीरशैव लिंगायत वोटों को लेकर जिज्ञासा अपनी जगह है, लेकिन अति पिछड़ों की रुझान की अनदेखी नहीं की जा सकती। कांग्रेस नेताओं का विश्वास है कि उनके उम्मीदवारों को कुरुबाओ और मुस्लिमों के थोकबंद वोट मिलेंगे।

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की स्मृति अभी धुंधली नहीं हुई है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने जय बजरंग बली का नारा लगाया था। हिंदुत्व उनके प्रचार का मुख्य आधार था। आज भी हिंदुत्व बीजेपी के प्रचार की धुरी है, लेकिन कांग्रेस की गारंटियां उस पर भारी पड़ रही है। कांग्रेस की गृहज्योति, गृहलक्ष्मी, शक्ति, अन्नभाग्य और युवानिधि स्कीमें असरकारी हो रही हैं। केन्द्र का सौतेला बर्ताव भी चुनावी मुद्दा है और उसे कांग्रेस खूब हवा दे रही है। केन्द्र से फंड और राहत के लिये सिद्धरामैया को धरने तक पर बैठना पड़ा। यही नहीं, उसने सुप्रीम कोर्ट का द्वार भी खटखटाया। बेंगलुरु और दिल्ली के दरम्यां फिलवक्त गजब की बदमजगी है। केन्द्र सरकार ने दिलचस्प तौर पर 28 अप्रैल को कर्नाटक की अर्जी पर सुनवाई की। पूर्व संध्या पर सूखा राहत मद में 3454 करोड़ रुपयों की राशि रिलीज की, जबकि बकौल सिद्धरामैया सूखे से क्षति आकलन 35000 करोड़ रुपयों के करीब बैठता है। वित्तमंत्री सुश्री सीतारमण के इस आशय के कटाक्ष कि कर्नाटक ने सूखा राहत नहीं, बल्कि गारंटी स्कीमें लागू करने के लिए रकम मांगी थी, सयाने सिद्धरामैया ने कहा कि हमने गारंटी स्कीमों के लिए न तो कभी इकन्नी मांगी और न ही मांगेंगे।

उक्त बयानबाजी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि केन्द्र और कर्नाटक के आपसी रिश्ते कैसे हैं? यह सारा घटनाक्रम कर्नाटक में राजनीतिक नाटक की पटकथा लिखने में अपनी भूमिका निभा रहा है। मंच पर जो दीखता है, उससे अधिक सक्रियता नेपथ्य में है। जून में पर्दा उठने पर हमें नया और दिलचस्प दृश्य देखने को मिलेगा।

मुद्दा

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के पूर्व ओएसडी हैं तथा पंजाब केंद्रीय विवि में चेयर प्रोफेसर हैं।

महिलाओं की गरिमा से खेलते युद्धरत देश

संयुक्त राष्ट्र में एक बलात्कार संबंधी रिपोर्ट पेश हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन सुरक्षा परिषद में यह रिपोर्ट पेश कीं। प्रमिला पैटन का कहना है कि हमारे सामने एक अनिवार्य और अति व्यावहारिक कार्य ये है कि बन्दूकों को ख़ामोश किया जाए। शान्ति के लिए एक महत्वपूर्ण एजेंसी के रूप में महिलाओं की आवाज़ों को बुलन्द किया जाए। यह मुद्दा उठा है संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में। यह मुद्दा भले ही आम आदमी के मन में न हो लेकिन यह मुद्दा अति गंभीर है। अपने आपको बहुत ही तटस्थ एवं मानव हितकारी बताने वाली मीडिया ने युद्ध के दौरान होने वाले घातक बमों के बाद उससे भी भीषण जुर्म बलात्कार के बारे में क्यों नहीं आवाज़ उठायी, सवाल यह भी है। यदि स्वयं को सबसे तेज बताने वाली मीडिया नहीं उठाती हैं आवाज़ तो कैसी समाज हितकारी मीडिया हैं।

सवाल यह भी है कि जिन देशों में युद्ध हो रहे हैं, वे देश भी नहीं बता सकते कि युद्ध के दौरान बलात्कृत महिलाओं के बारे में कितनी मुस्तैदी से उन्होंने आवाज़ उठाई। यह उन देशों के ऊपर एक तमाचा भी है रिपोर्ट जो यह बताती है कि जिन देशों में महिलाएं बलात्कृत हुईं, वहां की सरकारें चुप रहीं, उन देशों ने सक्रिय होकर उनके बारे में व्यापक आवाज़ नहीं उठाई। भला हो सेवाभावी स्वयं सेवी-संगठनों का जो मानवाधिकारों की अपनी लड़ाई में ऐसी महिलाओं के बारे में चिंता किए हैं। और उनकी समस्याओं को दुनिया के सामने लाने की कोशिश की है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 में युद्धों के दौरान बलात्कार और अन्य तरह की यौन हिंसा के कुल 3 हज़ार 688 मामलों की पुष्टि की है, जोकि वर्ष 2022 की तुलना में 50 प्रतिशत वृद्धि है।

युद्धरत देशों में स्वयं की इज्जत के लिए युद्धरत स्त्रियों की वेदना कोई आम वेदना नहीं है। वे महिलाएं चुप होकर, सहकर सबकुछ स्वयं से युद्ध कर रही हैं। उनकी सुध लेने वाली कोई भी एजेंसी हो, वे उनके मन में जो रोज का युद्ध है उससे उबार नहीं सकतीं। चिंता ज़ाहिर कर सकती हैं। हिंसा की यह कड़ी बहुत व्यापक पैमाने पर युद्धरत देशों में निरंतर बनी हुई है। यदि एक वर्ष में 50 प्रतिशत की वृद्धि संयुक्त राष्ट्र दर्ज कर रहा है तो वास्तविक स्थिति क्या होगी, इसे शायद कोई जानता हो। वास्तविक स्थिति पर ध्यान इसलिए जाते हैं क्योंकि प्रायः जहाँ कहीं भी हिंसा होती है। वहां एजेंसीज व सरकारी आंकड़े कुछ और होते हैं और यथार्थ किछ और होते हैं। ऐसे में इस पर ध्यान जाना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से इन क्षेत्रों में महिलाएं ऐसी भी होंगी जो अपनी इज्जत के लिए, अपनी छवि धूमिल होने की डर से या जिस समज व समुदाय से आती हैं, उसकी डर से अपने साथ हुए जुर्म को बताई भी न हों। ऐसे में यथार्थ कुछ और ही होते ही हैं, वास्तविक स्थिति को भी यदि 10 प्रतिशत ही माना जाए तो यह समझिये कि एक वर्ष में युद्धरत क्षेत्रों में बलात्कार या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं की संख्या 60 प्रतिशत पिछली साल की तुलना में बढ़ी हैं। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। यह केवल चिंताजन स्थिति नहीं है, अपितु खातार्कन स्थिति है।

विगत वर्ष जब प्रमिला ने रिपोर्ट पेश की थी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में तो नोबेल पुरस्कार विजेता नादिया मुराद का ज़िक्र किया था। वही नदिया जो इराक़ के उत्तरी हिस्से में रहने वाले यज़ीदी समुदाय की उन हज़ारों महिलाओं में से एक हैं जिन्हें यौन दासिता के लिये बेचा गया, और 2014 में दाएश के आतंकवादियों ने जिनका बलात्कार किया। नादिया मुराद ने खुद बताया था कि तब से आठ वर्ष का समय बीत चुका है, अब भी लगभग 2,800 महिलाएँ व बच्चे, आतंकवादी गुट-दाएश के क़ब्ज़े में हैं। उन्होंने सुरक्षा परिषद में अपील की थी कि न्याय सुनिश्चित करना, जवाबदेही का सबसे ज़्यादा नज़र आने वाला रूप है। नदिया ने वर्ष 2021 में जर्मनी की एक अदालात द्वारा दाएश के एक लड़ाके को, जनसंहार का दोषी क़रार दिये जाने के ऐतिहासिक मामले का भी ज़िक्र किया और कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और ज़्यादा कार्रवाई की उम्मीद है। अब सवाल यह है कि दाएश के बारे में अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर कितना दबाव बना। जब 2800 महिलाएं व बच्चे उन दिनों फंसे थे तो उनमें से कितने छुड़ाए गए? यदि मानव सुरक्षा नहीं के बराबर है तो फिर किस न्यायपूर्ण समाज की हम कल्पना कर रहे हैं?

स्मरण आ रहा है कि एक मुराद कोड बनाया गया था उसका क्या हुआ। वही मुराद कोड जिसमें युद्ध में बलात्कार के सबूत एकत्र करने के लिये एक नया कार्यक्रम बताया गया और जिसे महिलाओं की सुरक्षा के बारे में आवाज़ उठाने का मंच कहा गया था। मुराद कोड के बारे में कहा गया था कि यह मुराद कोड, दुनिया भर से यौन हिंसा के भुक्तभोगियों के विचार शामिल होंगे, और इसका मक़सद अत्यधिक गरिमा, समझदारी, पारदर्शिता, और घाव भरने को बढ़ावा देना था। मुराद कोड व इतनी भारी चिंता विगत अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र में जताई गयी और सबसे हास्यास्पद बात यह है कि इस वर्ष प्रमिला ने फिर जब अपनी इसी सन्दर्भ में रिपोर्ट पेश की तो बताया कि अब विगत वर्ष की अपेक्षा आंकड़ों में 50 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। सोचकर हँसी आती है कि कैसे-कैसे चिंता करने वाले विश्व भर में पड़े हुए है, कैसे कैसे विश्व में कवच लेकर खड़े होने का दावा करने वाले पड़े हुए हैं।

मजेदार बात यह है कि वर्ष भी प्रमिला के साथ बैठे संयुक्त राष्ट्र में महामान्य महिलाओं पर चिंता करके अपने-अपने ऑफिस लौट गए हैं। हिसा, यौन हिंसा और युद्ध से बलत्कृत महिलाये न्याय के लिए बैठी हुई हैं। उनको न्याय कब और कैसे मिलेगा? उनको न्याय कौन देगा? उनकी आवाज़ कौन बनेगा? यह उन महिलाओं की ओर से चुपचाप मौन प्रश्न है। एक सिरे से नकारने वाले वे देश जो अपनी महिलाओं की चिंता करने की बजाय युद्ध के लिए तत्पर हैं, असली सवाल उन्हीं से है। यदि वे अपनी महिलाओं से एक बार पूछते कि देश में युद्ध चाहिए कि नहीं, और उनकी सुन लेते तो भी युद्ध नहीं होते। बदले से यौन उत्पीड़न की शिकार, अपने यौन तृप्ति के लिए यौन उत्पीड़ित महिलाएं, बेबस व लाचार यौन उत्पीड़ित महिलाएं आखिर किससे उम्मीद करें? यदि उनके लिए युद्ध अभिशाप है तो युद्धरत देश क्यों नहीं समझते कि उनकी जिसके लिए लड़ाई है वह बेकार है और किसी की इज्जत की कुर्बानी करके, किसी को शिकार बनाने की कीमत पर है।

दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग का स्मरण कीजिए उसमें भी यही कहा गया था कि अनेक पीड़ितों, भुक्तभोगियों व प्रत्यक्षदर्शी यह बताते हैं कि देश भर में हथियारबन्द गुटों द्वारा बड़े पैमाने पर बलात्कार का प्रयोग हुआ जिसने 'महिलाओं व लड़कियों के अस्तित्व को नारकीय' बना दिया है। सूडान हो या आज का इसराइल और ग़ाज़ा, सूडान, यूक्रेन, हेती, म्याँमार और काँगो लोकतांत्रिक गणराज्य सभी युद्धरत देशों में पीड़ा की यह त्रासदी यदि झकझोर नहीं रही है तो इसका मतलब है कि आज की जिंदा कौमें महिलाओं के लिए बेफिक्र हैं।

पांच किलो राशन की तरह ये मुफ्त वाले टीके

हास्य-व्यंग्य

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब बड़े आदमी, कोई अपना नया भवन बनवाते हैं तो उसे बुरे लोगों की बुरी नजरों से बचाने के लिए, घर के बाहर मेन गेट की, दीवार की ऊंचाई पर भूत का कोई कृत्रिम काला मुखौटा टांग देते हैं, या काले घोड़े की नाल ठोंक देते हैं या नीबू मिर्च और काले कपड़े से बनी लड़ी-लटकन टांगते हुए, रंग रोगन के सुरक्षा टीके गेट के दाएं-बाएं टीपते हैं।

कई बार देश में सात समंदर पार से जब कोई लड़ाकू विमान या कोई जरूरी संयंत्र मंगाया जाता है, तो हमारे प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, नेताओं मंत्रियों के संग उसकी पूजा करते हैं,आरती करते हैं और उसे बुरी नजरों से बचाने के लिए नीबू मिर्च और काले कपड़े से बनी लटकन-वटकन उस पर बांध देते हैं, टीका कर देते हैं, जिसे पारंपरिक और सामाजिक रूप से लोग शुभ मानते हैं।

मोदी जी के आवाहन पर कोरोना काल में ताली थाली बजाना, लाइट बंद करके दिया, बत्ती, टार्च जलाना भी शुभ माना गया था, जिससे बित्ते-बित्ते भर का कोरोना दुम दबाकर पाकिस्तान भागा था और बचा-खुचा वैक्सीन से धांय-धांय उड़ा मारा था, हमारे मोदी जी ने। फ्री वैक्सीन घर-घर बांट कर मोदी जी ने कीर्तमान स्थापित किया था। लोगों ने घंटों लाइन में लग-लग कर धक्के खा-खा कर अपने-अपने बाजूओं में वैक्सीन ठोंकवा कर कोरोना से पूर्ण सुरक्षा का गंडा बंधवाया था। उस वक्त कुछ लोग संशय व्यक्त कर रहे थे कि हो सकता है कि जल्दबाजी में नाली की गैस से चाय बनाने वाली किसी कम्पनी को, वैक्सीन बनाने का ठेका दे दिया गया हो, इसलिए जल्दी-बल्दी में बनी वैक्सीन पर भरोसा नहीं करना चाहिए, उनकी शंका को लोग निर्मूल्य बता रहे थे, उन्हें टुकड़े-टुकड़े गैंग खालिस्तानी-पाकिस्तानी, बाबर की औलादें बता रहे थे, पर आज जब वैक्सीन बनाने वाली कंपनी खुद वैक्सीन से, हो रहे बहुत केसों में दुष्प्रभावों को मान रही है, कुछ लोगों में हो रहे हार्ट अटैक, ब्रेन स्टोक को सही ठहरा रही है, तब अंधभक्तों की जुबानों पर लिंक ताले पड़ चुके हैं।

हर लेखक को अपनी पुस्तक पर दूसरे की टीके पर ज्यादा भरोसा होता है, दूसरे की टीका से वह फेमस होता है। फेमस होकर मान-सम्मान पाता है। पति भले न बन पाए, पर फेमस लेखक की टीका से, धन पति जरूर बनता है। हर मां अपने बच्चे को दुलराती हुई, पुचकारती हुई, काला टीका लगाती है ताकि बुरी नजर से, विघ्न-बाधा से अपने लाल को बचाती रहे, मोदी जी ने देश के लिए, देश के लोगों की सेवा-सुश्रुषा के लिए अपना घर-परिवार सब छोड़, 18-18 घंटे काम करके, गौतम बुद्ध की तरह जब अपना त्याग-बलिदान कर रहे हैं, तब लोग फालतू में, उन पर उंगली उठा रहे हैं, जो घोर निंदा का विषय है, उनके मुफ्त टीके की राष्ट्र सेवा पर खालिस्तानी-पाकिस्तानी टाइप के लोग फालतू का भय, फालतू की अफवाह मुंह फाड़कर पब्लिक में फैला रहें हैं, कह रहे हैं कि जल्दी का काम शैतान का।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक क्लिक मारो तो...

राजनीति का समर, समर के मौसम में सरगर्मी पर है। इस सियासी समर का वार पलटवार एक क्लिक पर लोगों की नजरो के सामने होता देख एक क्लिक में सिमटे लोकतंत्र के इस चुनावी महापर्व को लेकर अज्ञानी चौपाल पर अपने आप को कथित बुद्धिजीवी, ज्ञानी कहलाने वाली मंडली ने रोज चुनावी चटपटी बहस,एक क्लिक, पर शुरू की। चौपाल पर अपने आप को ज्ञान का चौपाया,मसीहा समझने वाले व्हाट्सएप में पीएचडी कर दंभ और दावा भरने वाले पंडित सदानंद जी बोले लोकतंत्र मात्र एक क्लिक पर आकर थम गया है । अरे पहले तो क्लिक का अर्थ खटखट करना,खटखट बजना था। लेकिन माउस की एक क्लिक, टिक टिक, बजकर लोकतंत्र के सारे तंत्र के तार को झकझोर कर रही है। इस आम चुनाव में तो यह,एक क्लिक,मतदाताओं की

जिंदगी में दबे पांव सियासी संदेश दे रही है, जिससे चुनावी माहौल मोबाइल में आने वाली एक क्लिक के सामने आकर टिक गया है ।

पंडित जी के एक क्लिक की विरुदावली गाने पर ललित जी,एक क्लिक, के ललित निबंध की प्रस्तुति देने लगे। वे बोले इस चुनाव ने प्रचार के लिए सोशल मीडिया की,एक क्लिक, को चुन लिया है। एक नेता की टिप्पणी एक क्लिक पर आती है तो इस तत्काल इस टिप्पणी पर टिका भी,एक क्लिक, से लोगों की नजरों के सामने होता है। ललित जी बोले इस एक क्लिक ने चुनाव समर के अड्डे स्थापित होने वाले कार्यालय को भी कार्य मुक्त कर दिया गया है। और इस एक क्लिक ने वर्चुअल वार रूम बनाकर चुनावी वार एक क्लिक से लिंक कर दिया है। और सोशल मीडिया और उस पर एक क्लिक की टक टक बड़ा प्लेटफार्म बनकर उभरी है। जो घर-घर टिक टिक बजकर दस्तक दे रही है।

ललित जी के इस ललित निबंध जैसे वक्तव्य को रोक लगाते हुए पुराने रिटायर्ड कार्यकर्ता वर्मा जी अपने चुनावी अनुभव की पोटली खोलते हुए बोले जब कार्यकर्ता से रिटायर्ड नहीं हुआ तब चुनाव में बिल्ले, पर्चे,लाउडस्पीकर, जीपो की धूल,रैली और डोर टू डोर कैंपेन होता था। तब उम्मीदवार घर जाकर बोलना सूतारण काकी क्या चल रहा है, सिद्धू बा बेटे बेटी तो सही है और लाइन पर है ना , लेकिन मुआ जब से मोबाइल आया और मोबाइल पर क्लिक की टक टक होने लगी उम्मीदवार का चेहरा रूबरू तो हवा हो गया और मोबाइल पर कृत्रिम तौर पर हंसते हुए नेताजी दिखते हैं। पहले नुक्कड़ सभा होती थी,पोस्टर बैनर से दिवारे पट जाती थी। नारे लगते थे, उम्मीदवार कार्यकर्ताओं और लोगों का मान मनोव्वल करते थे। उम्मीदवारों की रस्साकसी को ऑफलाइन देखते थे लेकिन अब तो वार भी ऑनलाइन होता है और कब यह बेलाइन हो जाए उसका कोई ठिकाना नहीं रहता है। अब तो एक क्लिक मारे तो मतदाता को दिखे दूसरी क्लिक मारे तो प्रत्याशी।

गुलजार ने कहा था- 'प्रभु आपके पोट्रेट रूह के लैंडस्केप हैं..'

पुण्य स्मरण/ प्रभु जोशी

डॉ तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास

(लेखक स्व. प्रभु जोशी के बालसखा हैं)

अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटुम्बकम् ॥ (महोपनिषद्, अध्याय 6, मंत्र 71)

यह मेरा अपना है और यह नहीं है, इस तरह की गणना छोटे चित्त (सञ्कुचित मन) वाले लोग करते हैं। उदार हृदय वाले लोगों के लिए तो (सम्पूर्ण) धरती ही परिवार है। प्रभु जोशी उदार चरितमना थे। आपने अपना सम्पूर्ण जीवन परहित में ही जिया।

ज्ञान के अंतरराष्ट्रीय क्षितिज, प्रख्यात साहित्यकार व चित्रकार %छोटी काशी% पीपलरावां (देवास) के मां शारदा वीणापाणि सरस्वती के वरद पुत्र प्रभु जोशी को ब्रह्मलीन हुए तीन वर्ष हो चुके हैं। 4 मई 2021 को उन्हें कोरोना ने हमसे छीन लिया। उनकी पहली कहानी 1973 में धर्मयुग में प्रकाशित हुई। %किस हाथ से%, %प्रभु जोशी की लंबी कहानियाँ% तथा उत्तम पुरुष% कथा संग्रह भी प्रकाशित हुए। नई दुनिया के संपादकीय तथा फ़ीचर पृष्ठों का पाँच वर्ष तक संपादन किया। पत्र-पत्रिकाओं में हिंदी तथा अंग्रेज़ी में कहानियों, लेखों का प्रकाशन भी हुआ। चित्रकारी बचपन से प्रिय थी। जलरंग में विशेष रुचि रही और जलरंग की राष्ट्रीय एवम अंतरराष्ट्रीय स्तर की एग्जीबिशन लगाकर विश्व जलरंग प्रेमियों को आकर्षित भी किया।

छोटे से गांव से विद्या अध्ययन कर लेखन और चित्रकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति अर्जित की। अपनी कलम से अंतरराष्ट्रीय जगत को ठेठ गांव की जमीनी हकीकत को निरूपित करने वाले अप्रतिम साहित्यकार, चित्रकार, कवि, लेखक, चिंतक, विचारक रहे।

लिंसिस्टोन तथा हरबर्ट में आस्ट्रेलिया के त्रिनाले में चित्र प्रदर्शित हुई। गैलरी फॉर केलिफोर्निया (यू?एस?ए?) का जलरंग हेतु थामस मोरान अवार्ड मिला। ट्वेंटी फर्स्ट सेन्चरी गैलरी, न्यूयार्क के टॉप सेवेंटी में शामिल हुए। भारत भवन का चित्रकला तथा म. प्र. साहित्य परिषद का कथा-कहानी के लिए अखिल भारतीय सम्मान मिला। साहित्य के लिए म. प्र. संस्कृति विभाग द्वारा गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप प्रदान की गई।

बर्लिन में संपन्न जनसंचार के अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में आफ्टर आल हाऊ लांग रेडियो कार्यक्रम को जूरी का विशेष पुरस्कार मिला। धूमिल, मुक्तिबोध, सल्वाडोर डाली, पिकासो, कुमार गंधर्व तथा उस्ताद अमीर खाँ पर केंद्रित रेडियो कार्यक्रमों को आकाशवाणी के राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। %इम्पैक्ट ऑफ इलेक्ट्रानिक मीडिया ऑन ट्रायबल सोसायटी% विषय पर किए गए अध्ययन को %आडियंस रिसर्च विंग% का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

प्रभु जोशी एक देवदूत थे। दया, करुणा, प्रेम, अहिंसा, प्रसन्नता, कृतज्ञता कृतज्ञता और परोपकार उनके जीवन के उच्च, उदात्त गुण थे। जिव्हाग्र पर सरस्वती का वास था। वे अपनी दैदीप्यमान ओजस्वी वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते थे। जब भी सभा में अपनी अभिव्यक्ति देते थे। 2010 में आपने शासकीय महाराजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मेरे प्राचार्यत्व काल में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को प्रेरक व्याख्यान दिया था। उस समय प्रभु जोशी के साथ उनकी श्रीमती अनिता जोशी का महाविद्यालय की ओर से सारस्वत सम्मान भी किया गया था। प्रभु आकाशवाणी इंदौर से सेवानिवृत्त हुए थे।

प्रभु जोशी प्रख्यात चित्रकार एम.एफ.हुसैन के साथ

ख्यात चित्रकार एवं कथाकार प्रभु जोशी के दो चित्रों को अमेरिका एवं अन्य चार राष्ट्रों द्वारा संचालित %बेस्ट इंटरनेशनल आर्ट गैलरी% का विशेष पुरस्कार दिया गया है। तैलरंग में उनके चित्र %स्माइल ऑफ चाइल्ड मोनालिसा को पुरस्कृत किया गया है। जलरंग में उनके बनाए एक लैंडस्केप चित्र को भी पुरस्कृत किया गया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चित्रकार पॉवेल ग्लादकोव ने उन्हें मौलिक और विशिष्ट चित्रकार बताया है। ब्रिटेन के प्रसिद्ध जलरंग चित्रकार टेऊ वोर लिंगगार्ड ने उनके बारे में कहा कि %मैं हैरान हूं कि आप अपने चित्रों में ऐसा %अनलभ्य% प्रभाव कैसे पैदा करते हैं। इस मौके पर उनके द्वारा वेबदुनिया से दूरभाष पर विशेष वार्ता की अप्रतिम झलक देखने को मिलती है। चित्रकारी से जुड़े सवाल पर अपने जवाब में प्रभुदा ने कहा था कि आठ साल की उम्र में मैंने रंगों के साथ खेलना सीखा था। महाभारत के एक दृश्य जिसमें द्रौपदी को छेड़े जाने पर कीचक की भीम द्वारा धुनाई की जा रही थी, को मैंने उकेरा था। यह दृश्य मेरे मानस पटल में तब आया था जब गांव का एक शातिर लड़का मेरी बहन को सीटी बजाकर तंग कर रहा था। वास्तव में देखा जाए तो सच्चा कलाकार वही होता है जो अपने आसपास घटनाओं को अपनी रचना के जरिए लोगों के सामने लेकर आए।

उन्होंने कहा कि मेरा यह चित्र पीपलरावां स्थित घर की दीवार पर करीब दो साल तक टंगा रहा। इसके बाद तो जैसे चित्रकारी मेरे दिलों दिमाग में पैठ गई। यही कारण था कि दीवाली पर तरह-तरह के चित्र मैं दीवारों पर बनाता था। इनमें बैल, बकरी, गाय और शेर सहित कई जानवर शामिल होते थे।

इस सवाल के जवाब में कि गीतकार गुलजार ने आपके चित्रों के संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि आपके सांस लेते पोट्रेट रूह के लैंडस्केप्स है। इसका क्या मतलब है? प्रभु जोशी ने कहा था कि दरअसल यह गुलजार साहब का शायराना अंदाज था। उनका कहना था कि आपके चित्र बहुत जीवंत है। यही कारण है वह देखने वाले की रूह में बस जाते है। यही यथार्थवादी चित्रकारी का नमूना भर है।

एक और प्रश्न कि आप समीक्षकों की राय से सहमत नहीं रहते। आपको सम्मान मिला है, विरोधी आलोचकों को क्या कहेंगे? इस पर प्रभु दा ने कहा था कि चिढ़ की कोई बात ही नहीं है। मुझे ऐसे समीक्षकों की राय समझ नहीं आती है, जो किसी रचना की साहित्यिक भाषा में अत्यधिक व्याख्या कर देते हैं। इससे कला का तो नुकसान है ही बल्कि उन लोगों के साथ भी धोखा है जो समीक्षकों की राय के आधार पर किसी रचना के प्रति आकर्षित होते हैं।

साक्षात्कार कर्ता माही मीत का अगला प्रश्न था कि प्रीतीश नंदी ने आपको जलरंग का सम्राट बताया है। उनकी इस बात पर आप कितना खरा उतरते हैं ? प्रभु जोशी का जवाब था कि देखिए नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार ग्रेब्रिएल गार्सिया मार्क्वेज ने साहित्य के संदर्भ में कहा था कि -एक हाथी आसमान में उड़ रहा था और हजारों हाथी आसमान में उड़ रहे थे। पहला वाक्य तैलरंग और दूसरा वाक्य जलरंग पर लागू होता है। इसी सोच के साथ मैंने जलरंग पर अपना फोकस अधिक किया। ऐसे में यदि इसको सम्मान मिलता है तो यह मेरे लिए क्या हर कलाकार के लिए अच्छी बात होगी। मेरा पुरस्कार हर कलाकार का सम्मान है। आखिरी सवाल था कि आपके चित्रों से आदमी गायब है। महज जगहें मौजूद है। इसकी कोई खास वजह ?

इसके जवाब में प्रभु जोशी ने कहा था कि बरसों पहले जब मैं अपना घर छोड़कर देवास आ गया तो सालों तक मैं घर नहीं गया। मैं यही सोचता था कि कुछ करके और कुछ बनके ही घर जाउंगा। मैं अपनी जिद पर अडिग तो था लेकिन मुझे घर, गलियों, रास्तों और लोगों की याद बहुत आती थी। बावजूद मैं घर नहीं गया। मुझे उन सब की याद रह-रहकर आती थी। यही कारण है कि जब मैं चित्र बनाने लगा तो वह सब जगह तो दिखाई दी लेकिन उनसे आदमी हमेशा नदारद रहा।

आखिर कब तक भारत मलेरिया मुक्त होगा?

सेहत

डॉ. रामानुज पाठक

लेखक रसायन विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर और पीएचडी हैं। विज्ञान विषयों पर स्वतंत्र लेखन कार्य।

मलेरिया कोई वायरस (विषाणु) नहीं है और न ही यह बैक्टीरिया (जीवाणु) जनित रोग है। यह एक 'प्रोटोजोआ' (आदिकाल का एक कोशकीय) परजीवी है, जो सामान्य विषाणु से हजारों गुना बड़ा है। जीन की तुलना करके इसे अच्छी तरह समझा जा सकता है। उदाहरण के लिए कोविड-19 वायरस (विषाणु)में लगभग 12 जीन होते हैं, जिसकी तुलना में मलेरिया में काफी ज्यादा यानी 5,000 जीन पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, मलेरिया परजीवी चार जीवन चक्रों से गुजरता है। संक्रामक रोगजनकों के साथ-साथ यह और विकराल रूप धारण कर लेता है। चिकित्सा शोधकर्ता 100 से अधिक वर्षों से मलेरिया के टीके बनाने की कोशिश करते रहे हैं। अकेले ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में 30 साल से मलेरिया के टीके हेतु शोध चलता रहा है। अब मलेरिया रोधी दो टीके आ चुके हैं, जिनके नाम आरटीएस, एस और आर 21 हैं जिसकी चर्चा आलेख में आगे की गई है। मलेरिया एक मच्छर जनित रक्त रोग है जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है।

यह मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। इस परजीवी का प्रसार संक्रमित मादा एनाफिलीज़ मच्छरों के काटने से होता है।

मानव शरीर में प्रवेश करने के बाद परजीवी शुरू में यकृत कोशिकाओं के भीतर वृद्धि करते हैं उसके बाद लाल रक्त कोशिकाओं (आर बी सी) को नष्ट करते हैं जिसके परिणामस्वरूप आर बी सी की क्षति होती है। ऐसी 5 परजीवी प्रजातियाँ हैं जो मनुष्यों में मलेरिया संक्रमण का कारण होती हैं, इनमें से 2 प्रजातियाँ, प्लाज़्मोडियम फाल्सीपेरम और प्लाज़्मोडियम वाइवैक्स है, जिनसे मलेरिया संक्रमण का सर्वाधिक खतरा विद्यमान होता है। एडीज मच्छर द्वारा,चिकनगुनिया, डेंगू बुखार, लिम्फेटिक फाइलेरिया, रिफ्ट वैली बुखार, पीला बुखार (पीत ज्वर), जीका तथा एनोफ़िलीज़ मच्छर से, मलेरिया, लिम्फेटिक फाइलेरिया (अफ्रीका में) वहीं क्यूलेक्स मच्छर से जापानी इन्सेफेलाइटिस, लिम्फेटिक फाइलेरिया, वेस्ट नाइल फ़ीवर (बुखार) फैलता है।

मलेरिया के लक्षणों में बुखार और फ्लू जैसे लक्षण शामिल होते हैं, जिसमें ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान महसूस होती है।एक बार मानव शरीर में प्रवेश हो जाने के बाद ये परजीवी यकृत में गुणात्मक रूप से बढ़ते हैं और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं। गंभीर मामलों में मलेरिया अंग विफलता, कोमा और मृत्यु का कारण बन सकता है।यह बीमारी रोकथाम योग्य और इलाज योग्य दोनों है, लेकिन यह विशेष रूप से दुनिया भर के उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय देशों में एक चिंताजनक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बनी हुई है। चार्ल्स लुई अल्फोंस लावेरन ने 1889 में मलेरिया परजीवी की खोज की और 1907 में उनकी खोज के लिए नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व मलेरिया रिपोर्ट वर्ष 2022 के अनुसार, इस बीमारी ने वर्ष 2021/2022 में अनुमानित 6,19,000 लोगों की जान ली। वर्ष 2019 में दुनिया भर में मलेरिया के अनुमानित 2 हजार 290 लाख मामले थे और उस वर्ष मलेरिया से अनुमानित 4,09,000 मौतें हुई थीं।

5 वर्ष से कम आयु के बच्चे वर्ष 2019 में मलेरिया से प्रभावित सबसे कमज़ोर समूह हैं, दुनिया भर में मलेरिया से होने वाली मौतों में इनका 67 फीसद तथा तकरीबन 2,74,000 है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में वर्ष 2019 के लगभग 200 लाख मामलों की तुलना में वर्ष 2020 में मलेरिया के अनुमानित 56 लाख अधिक मामले थे। रपट में यह भी बताया गया है कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में मलेरिया के मामलों और मौतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की है।

वैश्विक मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम- यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ)द्वारा शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य वैश्विक प्रयासों के समन्वय से मलेरिया को नियंत्रित तथा खत्म करना है।

इसका कार्यान्वयन 'मलेरिया वर्ष 2016-2030 के लिये वैश्विक तकनीकी रणनीति' द्वारा निर्देशित है। रणनीति का लक्ष्य मलेरिया मामलों और मृत्यु दर को वर्ष 2020 तक कम-से-कम 40 फीसद, वर्ष 2025 तक कम-से-कम 75 फीसद और वर्ष 2015 की आधार रेखा के मुकाबले वर्ष 2030 तक कम-से-कम 90 फीसद कम करना है। विश्व की आधी आबादी पर मलेरिया का खतरा बना हुआ है। मलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों के वावजूद मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में दुनिया अभी काफी पीछे है। स्टैस्टिटा की रपट अनुसार 2022 में मलेरिया 85 देशों में स्थानिक महामारी के रूप में सक्रिय था। मामूली सुधार के वावजूद विश्वअभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के उस लक्ष्य से पीछे है, जिसमें 2025 तक मलेरिया से प्रभावित देशों की संख्या 75 तक लाने की बात कही गई है। यद्यपि भारत में मलेरिया के मामले कम हुए हैं लेकिन भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मलेरिया मुक्त देश घोषित नहीं किया गया है।

वर्ष 2023 में जारी विश्व मलेरिया रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में मच्छर जनित संक्रमण के मामलों और मौतों की संख्या में गिरावट जारी है। अनुमानित 34 लाख मामलों और 5,511 मौतों के साथ, भारत में 2021 की तुलना में 2022 में मलेरिया की घटनाओं में 30 फीसद और मृत्यु दर में 34 फीसद की गिरावट देखी गई। मलेरिया के 2022 में पूरे विश्व में 6,08,000 मौतें और 2.44 करोड़ मामले दर्ज किए गए थे। 2000 के बाद में 77 फीसद मलेरिया के मामलों की कमी आई है। 2000 के बाद दक्षिण और पूर्वी एशिया में मलेरिया से होने वाली मौतों में सबसे ज्यादा मामलों वाले देशों में आधे मामले सिर्फ चार देशों में सामने आए हैं। ये चार देश हैं नाइजीरिया, कांगो, युगांडा और मोजाम्बिक। 2024 में केप वर्दे के साथ-साथ 2023 में तजाकिस्तान, अजरबैजान और बेलीज को मलेरिया मुक्त घोषित किया गया। अब तक कुल 43 देशों को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मलेरिया मुक्त देश घोषित किया जा चुका है। डब्लू एच ओ उन देशों को मलेरिया मुक्त घोषित करता है जहां तीन साल से मलेरिया के कोई स्थानिक मामले नहीं पाए जाते हैं उन्हें मलेरिया उन्मूलन के डब्लू एच ओ के प्रमाणीकरण के लिए आवेदन करने का पात्र माना जाता है। प्रमाणन प्रक्रियाः मलेरिया उन्मूलन का प्रमाण पत्र डब्ल्यूएचओ द्वारा किसी देश की मलेरिया मुक्त स्थिति की आधिकारिक मान्यता है।

डब्ल्यूएचओ किसी देश को मलेरिया मुक्त प्रमाण पत्र तब प्रदान करता है जब वह अपने ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के आधार पर यह बता पाता है कि उसके देश में पिछले तीन वर्षों से एनाफिलीज़ मच्छरों द्वारा मलेरिया का प्रसार बाधित हुआ है।संबंधित देश को मलेरिया प्रसार को पुनः रोकने की क्षमता भी प्रदर्शित करनी चाहिये। मलेरिया मुक्त प्रमाण पत्र देने का अंतिम निर्णय मलेरिया उन्मूलन प्रमाणन पैनल (मलेरिया एलिमिनेशन सर्टिफिकेशन पैनल) की सिफारिश के आधार पर डब्ल्यूएचओ महानिदेशक के पास होता है। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र, में चीन पहला देश है जिसे डब्ल्यूएचओ ने 3 दशक में ही मलेरिया मुक्त प्रमाण पत्र दिया है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की मलेरिया रिपोर्ट-2017 कहती है, दक्षिण पूर्व एशिया में मलेरिया के सबसे ज्यादा 87 फीसदी मामले भारत में है। अधिक मामलों की वजह जनसंख्या का ज्यादा होना है। देश में ओडीशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में मलेरिया के मामले सबसे ज्यादा हैं। राज्यों में मानसून के बाद जलभराव, वेक्टर (वाहक)की मौजूदगी के कारण मच्छर पनपते हैं, जो मलेरिया के मामलों को बढ़ाते हैं।यहां यह भी जानना विषयानुकूल होगा कि आखिर भारत में क्यों है मलेरिया का प्रकोप।

भारत एक गर्म जलवायु वाला देश है। यहां गर्मी और बरसात का मौसम मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होता है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार तापमान मच्छरों की लंबी उम्र, उन्हें संक्रामक बनाने जैसी क्षमताओं को प्रभावित करता है। यह हेपेटाइटिस बी विषाणु से यकृत (लीवर) के संक्रमण से बचाने में भी मदद करता है। आर टी एस, एस अविकसित प्रतिरोध करता है ,टीके ने गंभीर मलेरिया की घटना को लगभग 30 फीसद और गंभीर एनीमिया (अरक्तता) की घटना को कम कर दिया। यह परजीवी उपभेदों के खिलाफ पर्याप्त रक्षा नहीं प्रदान करता था। परजीवी टीका का प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं, इसलिये टीका को और विकसित किये जाने की आवश्यकता है। टीके का प्रयोग असुविधाजनक माना गया है क्योंकि एक बच्चे को 2 साल की उम्र से पहले चार इंजेक्शन लगते हैं जो अधिकांश अन्य बीमारियों के लिये नियमित टीके शेड्यूल से मेल नहीं खाते वहीं टीका आंशिक रूप से ही प्रभावी है, 2009 से 2014 के बीच 10000 से अधिक अफ्रीकी बच्चों में किये गए परीक्षण से पता चला कि चार खुराक लेने के बाद भी यह टीका लगभग 40 फीसद ही मलेरिया संक्रमणों को रोक सका।टीके का असर दीर्घकालिक नहीं है,यह स्पष्ट नहीं है कि टीका लगने के बाद प्रतिरोध कितने समय तक सक्रिय रहेगा। पिछले परीक्षणों में चार साल तक के बच्चों का टीकाकरण किया गया था। विशेषज्ञों को यह भी चिंता है कि जिन माता- पिता के बच्चों को टीका लगाया गया है, वे मच्छरदानी का उपयोग करने के मामले में कम सतर्क रहेंगे और बुखार की स्थिति में उनके द्वारा बच्चों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने की संभावना कम होती है। जबकि दूसरा टीका आर 21ऐसे काम करता है जिससे मलारिया उन्मूलन में अधिक प्रभावी हो। मलेरिया के चारों जीवन चक्र बेहद अलग-अलग हैं और इससे निपटने के लिए अलग-अलग प्रतिजन की आवश्यकता होती है। प्रतिजन वह पदार्थ है, जो हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को 'एंटीबॉडी' पैदा करने के लिए सक्रिय करता है। 'स्पोरोजोइट्स' (कोशिकाओं के एक रूप) पर गौर किया, जो मच्छर त्वचा पर काटकर मानव शरीर में छोड़ते हैं। इन कोशिकाओं के यकृत में पहुंचने से पहले इनका पता लगाने का काम किया। ये कोशिकाएं तेजी से फैलती हैं और ज्यादा समय तक जीवित रहती हैं। हर मच्छर छोटी मात्रा में 'स्पोरोजोइट', शायद 20 'स्पोरोजोइट' त्वचा में छोड़ते हैं। अगर इंसानी शरीर इन 20 'स्पोरोजोइट' को झेल लेता है तो माना जाता है कि आप सुरक्षित हैं। लेकिन एक भी 'स्पोरोजोइट' आगे बढ़ जाता है, तो आपके लिए मुश्किलें खड़ी हो जाती हैं। आर 21 टीकाकरण की स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है।

यद्यपि भारत में आर 21 की लाखों खुराक भंडार करके रखी गई हैं। इसकी तुलना में अगर देखें तो ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका कोविड-19 रोधी टीके को 2020 में नए साल की पूर्व संध्या पर मंजूरी दी गई थी और झटपट तरीके से अगले ही सप्ताह कई देशों में इसका इस्तेमाल शुरु हो गया था। उस वर्ष अफ्रीका में कोविड-19 की तुलना में मलेरिया से अधिक मौत हुई थीं। मलेरिया रोधी पहला टीका आरटीएस, एस पहले ही एक बड़े सुरक्षा परीक्षण के तहत लाखों बच्चों को लगाया जा चुका है और इसका इस्तेमाल वास्तव में बहुत अधिक है, इसलिए अफ्रीका में बड़े पैमाने पर टीकाकरण किया जा सकता है। दुनियाभर में मलेरिया को जड़ से खत्म करने के बारे में अधिक गहराई से सोचने की आवश्यकता है। यक्ष प्रश्न है आखिर भारत कब मलेरिया मुक्त होगा? प्रश्न इसलिए भी चिंतनीय है क्यांकि भारत के पड़ोसी और दक्षिण - पूर्व एशिया के छोटे देश मालदीव और श्रीलंका मलेरिया मुक्त देश घोषित हो चुके हैं। वहीं भारत का प्रतिस्पर्धी देश चीन भी कबका मलेरिया मुक्त देश घोषित हो चुका है। मलेरिया राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। आज भारत को भी चीन के 1,3,7 सूत्र का प्रयोग करके पूरी प्रतिबद्धता के साथ एकजुट होकर मलेरिया से मुक्ति पाना ही होगा । मलेरिया रोधी दोनो विकसित टीकों का यथा उचित प्रयोग कर भारत आसानी से मलेरिया मुक्त हो सकता है।

महज वोटों का जुगाड़ नहीं है राजनीति

राजनीति

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक हैं।

लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ किसी भी तरह से वोट का जुगाड़ करना हो गया है। इस का नतीजा यह हुआ की समाज और राजनीति में बिना वोट की राजनीति पूरी तरह लुप्त हो गयी। भारत में आप सार्वजनिक रूप से कोई भी सवाल उठाओ तो उस पर बहस के बजाय, इसमें क्या राजनीति है? ऐसा सोचने लगते हैं। दूसरा काम हमारे देश में यह हुआ है कि देश की समूची राजनीति रात दिन वोटों की घटबड का गणित करने में ही अपनी ऊर्जा लगाये रहने में पूरी तरह उलझ गई है। एक अरब चालिस करोड़ की आबादी वाले देश को शान्तचित्त और प्रेम पूर्वक कैसे चलाया जाएगा यह ख्याल ही हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक मन में आता ही नहीं है। इतनी बड़ी आबादी का देश सरकार बनाने और गिराने को ही राजनीतिक जीवन का मूल मंत्र मानने लगा है। आजादी के बाद से धीरे धीरे हमारी राजनीतिक हलचल केवल वोट हांसिल करने के एक मात्र व्यक्तिगत और सामूहिक उपक्रम में बदल गई है। सत्ता हासिल कर क्या और कैसे करेंगे? यह विचार -विमर्श और व्यवहार का विषय ही नहीं बन पाया है। लोकतंत्र में नागरिक चेतना नदारद हो, एक अजीब सी उदासीनता में बदल गई है। समूची राजनीति का एक सूत्री कार्यक्रम है कैसे चुनाव जीते और सत्ता हासिल करें? इसी से हमारे देश की समूची राजनीति नागरिक ऊर्जा विहीन हो गई है।

एक अरब चालीस करोड़ की आबादी के देश की लगभग सारी राजनीतिक जमाते इस सवाल पर बगले झांकने लगती है। 'सबको इज्जत और सबको काम देने' की दिशा में आजादी के पचहत्तर साल बाद भी हमारी राजनीति प्रभावी सकारात्मक कदम नहीं उठा पायी। लोकतांत्रिक ढंग से सत्ता हासिल कर भी देश की विशाल लोकऊर्जा निस्तेज क्यों हैं? यह मूल राजनैतिक सवाल है। पचहत्तर साल की चुनावी राजनीति के बाद भी भारतीय समाज में यह भाव मजबूत क्यों नहीं हुआ की 'भारत सबका और सब भारत के।' भारत के संविधान में पूरी संवैधानिक स्पष्टता होने के बावजूद भी धर्म, जाति, लिंग, स्थान, और नस्ल के आधार पर भेद भाव पूर्ण व्यवहार करके प्रायः सभी राजनैतिक ताकतें मजबूती से भारत के लोगों द्वारा लड़ी गयी लम्बी आजादी की लड़ाई की मूल भावना को ही ठेस पहुंचाने को अपनी राजनीति का मुख्य हिस्सा बनाकर, भारत के संविधान और आजादी आन्दोलन की मुख्य धारा को ही सिकोड़ रहे हैं। भारत की असली ताकत भारत के लोग हैं और भारत के किसी भी नागरिक को अपमानित और अवांछित धोषित करने का अधिकार संविधान किसी भी निर्वाचित या अनिर्वाचित राजनैतिक या अराजनैतिक ताकत को सीधे या परोक्ष रूप से नहीं देता है। यही संविधान और आजादी आन्दोलन की मूल भावना या नागरिकों की सार्वभौमिक ताकत हैं।

भारत में सरकारें लोगों के मतों से ही चुनी जाती रही है और जावेगी भी पर यह एक यांत्रिक प्रक्रिया नहीं है। यह एक जीवन्त लोकतांत्रिक व्यवस्था है जिसके मूल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सभी राजनैतिक दल भारतीय जनता को चैतन्य बना कर सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। पर हम आजाद भारत में राजनीति की विभिन्न धाराओं के बीच इसका एकदम उलटा परिदृश्य बना बैठे हैं। इस का नतीजा यह हुआ है कि भारत में नागरिकत्व वैसा नहीं खड़ा हो पाया जिसकी कल्पना भारत के संविधान और आजादी आन्दोलन की मूल भावना में निहित रही हैं। लोकतांत्रिक राजनीति व्यक्तिवादी नहीं हो सकती,यह विचार लोकतांत्रिक राजनीति की आधारशिला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था मनमानी से नहीं सामूहिक विवेक और सहभागिता से ही चल सकती है। लोकतंत्र में लगातार विवेकशीलता, आपसी सहयोग बढ़ने के बजाय मनमानी और मनचाही कार्यप्रणाली का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है।

आजादी आन्दोलन का मूल विचार भारतीय समाज और नागरिकों की ताकत और दैनंदिन जीवन की चुनौतियों को मिलजुल कर हल करने की लोकव्यवस्था को खड़ा करना था।अपने राजनैतिक वर्चस्व को कायम रखना ही लोकतांत्रिक समझदारी नहीं है। राजनीति वोटों की जुगाड़ नहीं है। भारत में लोगों को ताकतवर बनाने की राजनीति के बजाय अपने एकाकी राजनैतिक वर्चस्व को कायम करने की संकुचित राजनीति ताकतवर हो गई है। भारत का नागरिक ताकतवर संविधान के होते हुए भी निरन्तर असहाय और कमजोर हो गया है।भारत में लगभग सारी राजनीतिक जमाते किसी भी तरह खुद को ताकतवर बनाने में जुटी है ।इस परिदृश्य को समूचे देश में पूरी तरह बदल कर भारत के लोगों को ताकतवर बनाने की राजनीति का उदय करना काल की चुनौती है। बिना वोट की राजनैतिक चेतना उभरने पर ही हम भारतीय समाज और नागरिकों को निरन्तर आगे बढ़ाने वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं। लोकाभिमुख राजनीति और अर्थव्यवस्था को खड़ा करना ही आजादी आन्दोलन की मूल भावना है।भारतीय लोकतंत्र में लोकाभिमुख विचार धारा को राजकाज में प्रतिष्ठित करने की दिशा में लोकसमाज को गोलबंद करने का वैचारिक आन्दोलन चलाये तो ही हम सब हिलमिल कर आजादी आन्दोलन की मूल भावना को साकार कर सकते हैं।

प्रमुख सचिव नरहरि ने जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का किया औचक निरीक्षण

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था का किया निरीक्षण

बैतूल। प्रमुख सचिव म.प्र.शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी.नरहरि ने शुक्रवार को बैतूल जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल योजनाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रीष्मकाल में पेयजल के चल रहे कार्यों को मौके पर जाकर देखा। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म काल को देखते हुए पेयजल आपूर्ति के सभी आवश्यक प्रबंध किए गए है। मैदानी अमले को पाइप लाइन के छोटे-छोटे लीकेज एवं पुराने पाइप लाइन को बदलने की कार्रवाई के निर्देश दिए।

श्री नरहरि ने ग्रीष्मकाल में जमीनी अमले को पेयजल आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सूखे एवं खराब हैण्डपंप को तुरंत दुरूस्त करें। कुएं बावडियों की साफ-सफाई कर आमजन को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराएं। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि पानी की व्यर्थ बर्बादी को रोके। पेयजल की बचत पेयजल का सबसे बड़ा स्त्रोत है। पेयजल आपूर्ति निर्वाध बनी रहे इसके लिए जरूरी है कि जल कर जमा करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सचिव श्री नरहरि ने बैतूल जिले के ग्राम सलीमेट, अर्जुन गोदी एवं राठीपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, जल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

ट्रेन से टकराने से युवक की मौत, इधर चुनाव की ट्रेनिंग के लिए जा रहे पीठासीन अधिकारी सड़क हादसे में घायल

बैतूल। जिले के आमला क्षेत्र के बोरदेही रेलवे ट्रेक पर एक युवक की ट्रेन से टकराने से मौत हो गई है। युवक की कई घंटो से रेलवे ट्रेक पर शव पड़ा था। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। बोरदेही थाना के एसआई ओपी यादव ने बताया कि बोरदेही रेलवे ट्रैक के खम्बा नंबर 903ध1 दीपामांडई निवासी नितेश इवने की ट्रेन से टकराने से मौत हो गई है। वही युवक शादी समारोह में शामिल होने गया था.और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होना बताया गया है।पुलिस ने शव को अस्पताल लाया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने पीएम कराया है। परिजनों के बयान लेकर शव सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर हसलपुर मार्ग पर बाइक से चुनाव की ट्रेनिंग में आ रहे मलाजपुर निवासी आशीष जायसवाल शिक्षक पीठासीन अधिकारी की चलती बाइक अचानक ब्रेकर से गिर गई है। गंभीर घायल होने पर वार्ड पार्षद रोहित हारोड़े ने उसे तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हादसे में पीठासीन अधिकारी को सिर और पैर पर गंभीर चोट आई है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बैतूल रेफर कर दिया है। उनका डॉ. द्वारा प्राथमिक उपचार कर रेफर किया है।हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कार्यशाला का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय के बर्चुअल कक्ष में यूपीएससी, एमपीपीएससी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता श्री जिज्ञासु अग्रवाल जो कि यूपीएससी सीएसई 2023 द्वारा चयनित जिनकी ऑलइंडिया रैंक 326 है। उपस्थित रहे। जिज्ञासु अग्रवाल जी ने विद्यार्थियों को यूपीएससी परीक्षा के संबंध में न केवल मार्गदर्शन दिया बल्कि विद्यार्थियों की संकाओं का समाधान भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित दिनचर्या, समय-सारिणी, संगति, पारिवारिक सहयोगी इत्यादि के बारे में बताया। कार्यक्रम संस्था प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आईक्यूएसी के संयोजक डॉ. आर.बी.सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सी.एस.राजहंस, प्रो. सुधा विकरौल, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के जिला नोडल अधिकारी श्री अजीत कुमार राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री वीरेन्द्र झारिया, श्री अमित ताम्रकार, श्री भरत सिंह ठाकुर, डॉ. नमिता साहू, श्री रीतेश अग्रवाल एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीमती शिल्पी तिवारी एवं कु. पूर्णिमा पटैल का सहयोग रहा।

पीसीसी चीफ का दावा- मोदी की गारंटी पूरी तरह फेल

मोदी की गारंटी को बताया चाइना माल, भाजपा प्रत्याशी को भी लिया आड़े हाथों, इमरती पर दिए बयान पर घिरे पटवारी, भाजपा-कांग्रेस कार्यकताओं में झड़प

संजय द्विवेदी बैतूल। लोकसभा चुनाव के अंतिम दौर के प्रचार में बैतूल दौरे पर आए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने जिले में ताबड़तोड़ तीन सभाएं करके चुनाव का माहौल कांग्रेस के पक्ष में करने का प्रयास किया है। जिले के घोड़ाडोंगरी से शुरू हुई पीसीसी चीफ की सभा आदिवासी अंचल भीमपुर में जाकर खत्म हुई। इस दौरान पीसीसी चीफ ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधते हुए उन्हें चाइना माल करार दिया। उन्होंने घोड़ाडोंगरी की सभा में उत्साहित होकर दावा किया कि कांग्रेस एमपी में कम से कम पंद्रह सीटे जीत रही है। उन्होंने आयोजित सभा में बैतूल के भाजपा सांसद एवं प्रत्याशी डीडी उइके को लेकर कहा कि उनका विरोध जगह-जगह हो रहा, सांसद ने स्वयं कहा है कि वह पांच सालों तक कुछ नहीं कर पाए। वह 5 सालों में लोगों के बीच नहीं पहुंचे। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस केवल संविधान, आरक्षण और मीडिया की स्वतंत्रता को बचाने की लडाई लड़ रही है और इस बार मध्यप्रदेश में कांग्रेस लगभग 15 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार देश-

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार देश बन गया है। पीएम मोदी को लेकर जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि कोरोनाकाल में पीएम जो कोविशील्ड कोरोना वैक्सीन का विज्ञापन कर रहे थे, उसी कम्पनी से भाजपा ने 50 करोड़ का चंदा लिया। उन्होने पीएम को कई मामलों में आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्होंने एक लाख रोजगार हर वर्ष देने का कहा था कि लेकिन आज तक सरकार यह नहीं कर पाई।

प्रदेश की भाजपा सरकार पर भी पीसीसी चीफ ने जमकर निशाना साधा। इमरती देवी को लेकर दिए विवादित बयान के चलते भाजपा लगातार हमलावर हो रही है, इसलिए पुलिस ने उनकी सुरक्षा काफी बढ़ा दी है।

मुलताई में भी जमकर गरजे पटवारी कहा हम कांग्रेस का खून है डरेंगे नहीं

कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने मुलताई पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

मुलताई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी घोड़ाडोंगरी के बाद मुलताई में भी भाजपा पर जमकर बरसे। घोड़ाडोंगरी से सड़क मार्ग से मुलताई पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव का जोरदार स्वागत किया। यहां आयोजित आमसभा में रामू टेकाम को अपने बीच का व्यक्ति बताते हुए उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के पक्ष में गांधी चौक में एक विशाल आम सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुखिया मोहन यादव से पूछा कि अगर प्रदेश में 8 साल की लड़की से रेप होता है और मैं उससे मिलने जाता हूं तो क्या गलत करता हूँ आपने मुझपर स्नढ्ढक्र कर दी आपने चुनाव में पांच गारंटी दी थी मैं पूछता हूं धान गेहूं का घोषणा अनुसार समर्थन मूल्य और 450 रुपए मे सिलेंडर कब मिलेगा तो क्या गलत करता हूं मुझ पर एफआईआर करते हो मुझे डराते हो नेता प्रतिपक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हम कांग्रेस का खून है डरेंगे नहीं। यह कांग्रेस की संस्कृति है देश को आजाद करने के लिए हमारे कई पुरखों ने शहादत दी है ।हमारे नेता इंदिरा गांधी, राजीव गांधी देश के लिए शहीद हुए हैं हमें कितनी भी यातनाएं दो हम लड़ेंगे और जनता के हित और अधिकारों की बात करेंगे। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम ने कहा कि एक बार मुझ पर विश्वास कीजिए मैं विधायक सुखदेव पांसे की तरह हर समय आपकी सेवा में उपस्थित रहूंगा और लोकसभा में एक सशक्त आवाज आपके लोकसभा क्षेत्र में बुलंद होगी।

जिला बनाने और ताप्ती कॉरिडोर की घोषणा कब होगी पूरी-

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक सुखदेव पांसे ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी और सांसद डीडी उइके 5 साल तक मुलताई विधानसभा मे दिखाई नहीं दिए अब भाजपा कार्यकर्ता ही उनसे पूछ रहे हैं कि कसम खाकर जो वादे किए थे वह निभाए क्यों नहीं । उन्होंने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मुलताई को जिला बनाने की घोषणा की थी ताप्ती कॉरिडोर बनाए जाने की घोषणा की थी दोनों घोषणाएं पूरी नहीं हुई सांसद ने 5 सालों में एक भी ट्रेन का स्थापित नहीं कराया ।जीतू पटवारी का जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया उनका काफिला सबसे पहले ताप्ती तट पहुंचा जहां उन्होंने मां ताप्ती की पूजा अर्चना की मंदिर से वह पैदल रैली की शक्ल मे गांधी चौक पहुंचे जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में आम सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, पूर्व विधायक पंजाबराव बोरखे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य संजय यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तकि उल हसन रिजवी, हाजी शमीम खान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर परिहार, सुमित शिवहरे सहित संपूर्ण जिले के कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

इमरती देवी पर दिए बयान पर घिरे पटवारी -

पिछले दिनों इमरती देवी पर दिए विवादित बयान के चलते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी घिरते जा रहे है। बैतूल के घोड़ाडोंगरी में चुनावी सभा को सम्बोधित करने पहुंचे जीतू पटवारी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने रास्ता रोककर काले झंडे दिखाए और इस दौरान कांग्रेस, भाजपा कार्यकर्ताओं आपस में भिड़ गए। पुलिस को दोनों पक्षों को अलग करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा जीतू पटवारी पर हमला करवाना चाहती है।

आचार संहिता के दौरान ये घटना इंटेलीजेंस का फेलूअर है और भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर की मांग की। इसी दौरान घोड़ाडोंगरी में चुनावी सभा के बाद जीतू पटवारी कर काफिला जब रवाना हो रहा था तो उनका रास्ता रोका और भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया। सारणी एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने बताया कि मामले की शिकायत नहीं मिली है। यदि शिकायत मिलेगी, तो उस पर कार्रवाई करेंगे।

ये रहे मौजूद-

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, आदिवासी कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजी मोघे, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, पाढुर्णा विधायक निलेश उईके, भैंसदेही पूर्व विधायक धरमूसिंह सिरसाम, मनोज मालवे, समीर खान, युवा कांग्रेस कार्यकरी अध्यक्ष राहुल छत्रपाल, पूर्व विधायक पंजाबराव बोरखे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य संजय यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तकि उल हसन रिजवी, हाजी शमीम खान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर परिहार, सुमित शिवहरे सहित संपूर्ण जिले के कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

गंज पुलिस ने लोहा सेंटिंग चोरी करने वाले आरोपियों को 12 घंटे में किया गिरफ्तार

बैतूल। गत 30 अप्रैल को फरियादी प्रदीप पिता शंकरलाल साहु उम्र 47 साल नि.विनोबा वार्ड गंज ने रिपोर्ट किया अज्ञात आरोपी द्वारा उसके नव निर्माणाधीन मकान में रखी 09 नग लोहे कि लोहा सेटिंग प्लेट किमती 9000रू. कि चोरी कर ले गये है । मोहल्ले के सीसीटीव्ही फुटेज देखकर पर पता चला कि 02 पुरूष 01 महिला सिर पर सेटिंग प्लेटे

चोरी करके ले जा रही है कि रिपोर्ट पर थाना गंज में अपराध कं 180.24 धारा 380,34 भादवि का दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना दौरान घटनास्थल के आस पास के सीसीटीव्ही फुटेज देखे गये एवं अज्ञात व्यक्ति 02 पुरूष 01 महिला कि तलाश पतारसी की गई है स जो विवेचना में आरोपियों की पहचान कान्ता आहके पति बसंत अहाके उम्र 19 साल नि.ओझाढाना,राधेश्याम उर्फ छोटिया पिता प्रहलाद गुन्डे 54 साल नि.ओझाढाना एवं गौतम पिता गोलु परते 24 साल नि.ओझाढाना गंज के रूप में की गई । जिनको पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई एवं जिनके कब्जे से 09 सेंटिंग प्लेटे कीमत 9000रू. जप्त किया गया।

आरोपीगणो को हिरासत में लिया गया हिरासत दौरान आरोपी कान्ता आहके पति बसंत अहाके उम्र 19 साल नि.ओझाढाना,राधेश्याम उर्फ छोटिया पिता प्रहलाद गुन्डे 54 साल नि.ओझाढाना से पूछताछ कि गई जिन्होने बताया कि हमने मनोज धुर्वे के साथ मिलकर लोहे की सेटिंग प्लेट चोरकर गौतम पिता गोलु परते 24 साल नि.ओझाढाना गंज को बेची है जो प्रकरण में धारा 411 भादवि का इजाफा किया गया है, प्रकरण का एक अन्य आरोपी मनोज धुर्वे घटना कारित करने के बाद से फरार हो गया है जिसकी तलाश पतारसी कि जा रही है बाकी आरोपीगणो को गिर. कर न्यायालय पेश किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरी.रविकांत डेहरिया, सउनि किशोरीलाल सल्लाम,सउनि सुरेश शाक्य,प्रआर आशीष चौहान ,प्रआर मयूर,मआर रूपाली, मआर प्रियंका,आर अनिरुद्ध,आर नवीन रघुवंशी,आर नरेन्द्र धुर्वे ,आर मनोज एवं चालक दीपक सनोडिया की विशेष भूमिका रही है ।

बैतूल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 5 मई से धारा 144 लागू: कलेक्टर

5 मई शाम 6 बजे से 8 मई रात्रि 12 बजे तक होगी प्रभावशील, जुलूस, रैली, लाउडस्पीकर, प्रचार पर रोक

बैतूल। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी निर्वाचन के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बैतूल संसदीय क्षेत्र में धारा 144 लागू की है। 5 मई रविवार की शाम 6 बजे से 8 मई बुधवार रात्रि 12.00 बजे तक धारा 144 प्रभावशील रहेगी। असामाजिक तत्वों तथा अवैध सामग्री के परिवहन एवं निर्वाचन अवधि में लोक शांति, लोक सुरक्षा एवं जन साधारण के जीवन व संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

प्रतिबंधात्मक अवधि के पूर्व गैर निर्वाचक छोड़े निर्वाचन क्षेत्र-आदेश के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को जो निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं है। प्रतिबंधात्मक अवधि प्रारंभ होने 5 मई 2024 को शाम 6 बजे के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा।

इस अवधि में कोई भी व्यक्ति या समूह, संगठन, संस्था, राजनीतिक दल बिना सक्षम स्वीकृति के किसी भी प्रकार की सभा, रैली, जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं करेगा। अभ्यार्थी द्वारा घर-घर प्रचार, जनसंपर्क कार्यक्रम, निजी वैवाहिक कार्यक्रम पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इस अवधि में लाउडस्पीकर और मेगा फोन का उपयोग भी प्रतिबंधात्मक रहेगा।

प्रचार हेतु धार्मिक स्थलों के उपयोग पर प्रतिबंध-आचार संहिता के अनुपालन में प्रतिबंधात्मक क्षेत्र में निर्वाचन प्रचार हेतु विभिन्न धार्मिक स्थल यथा मंदिर, चर्च, गुरूद्वारे, मस्जिद आदि स्थानों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इस अवधि के दौरान व्यक्ति/अभ्यर्थी अथवा राजनीतिक दल द्वारा किसी चिकित्सा, शैक्षणिक संस्थान, मतदान केन्द्र से 200 मीटर क्षेत्र में पार्टी/अभ्यर्थी अपना कार्यक्रम नहीं कर सकेगे।

परिवहन-प्रतिबंधात्मक अवधि में अभ्यार्थी को प्रचार हेतु जारी अनुमति प्राप्त वाहनों से मतदाताओं को मतदान के लिए परिवहन की अनुमति नहीं होगी। लोक परिवहन, एम्बुलेंस, फायर सेवा, शैक्षणिक संस्थानों के वाहन, दूध, पानी, सब्जी आदि अनिवार्य सेवा में संबद्ध वाहन तथा अपने काम पर जाने वाले व्यक्तियों व निर्वाचन पदाधिकारियों के परिवहन की छूट रहेगी।

सीएम राईज बैतूल बाजार में प्रवेश हेतु लॉटरी प्रक्रिया आज

बैतूल। सीएम राईज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में 4 मई 2024 को लॉटरी के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया करवाई जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 6वीं, 7वीं, 9वीं एवं 11वीं में जमा किए गए आवेदनों से प्रवेश हेतु लॉटरी प्रक्रिया शनिवार को दोपहर 12 बजे होगी। प्राचार्य ने समस्त विद्यार्थियोंध्पालकों से इस प्रक्रिया में उपस्थित होने की अपील की है।

प्रथम पूज्य गणेश जी ,भगवान धारनाथ जी को परशुराम जन्मोत्सव का निमंत्रण भेंट किया

परशुराम जन्मोत्सव पर सर्व ब्राह्मण समाज के 151 जोड़े धारेश्वर मंदिर में करेंगे रुद्राभिषेक, शाम को धारेश्वर से लालबाग तक शोभायात्रा निकलेगी

धार। प्रथम पूज्य गणेश जी, धार के अधिपति भगवान धारनाथ जी को परशुराम जन्मोत्सव का निमंत्रण भेट कर परशुराम जन्मोत्सव पर होने वाले कार्यक्रमों की विधिवत शुरूआत हो गई. सर्व ब्राह्मण समाज, धार द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है. जन्मोत्सव की बेला को भव्य बनाने के लिए समाज जनों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है. सर्व ब्राह्मण समाज , धार द्वारा 10 मई को प्रातः 9 बजे धारेश्वर मंदिर प्रांगण में सर्व ब्राह्मण समाज के 151 जोड़े धारेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक करेंगे. शाम 5 बजे धारेश्वर से लालबाग तक शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें सर्व ब्राह्मण समाजजन भाग लेंगे. शोभा यात्रा के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन लालबाग ,धार में रखा गया है. यह जानकारी सर्व ब्राह्मण के कार्यकारी जिलाध्यक्ष पंडित धर्मेन्द्र जोशी ने दी.

श्रीमद् नारद महापुराण कथा का आयोजन 5 मई से

धार। त्रिमूर्ति नगर स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर पर 18 महापुराण समिति के तत्वावधान में 5 मई से श्रीमद् नारद महापुराण कथा प्रारंभ होने जा रही हैं। श्रीमद् नारद महापुराण कथा आयोजन के संबंध में श्री सांवरिया सेठ मंदिर पर मीटिंग आयोजित की गई थी,जिसमे 18 महापुराण समिति के सदस्य में दशरथ सिग्गा,ओम प्रकाश सोलंकी,अशोक मनोहर जोशी,गोपालदास गुप्ता,नाथूलाल राठौर, जे पी सिंग, रितेश शर्मा,जगदीश जोशी, रितेष अग्रवाल, रूपरिया, और जसवीर भाटी, प्रणय तिवारी,गौरव हरने, तथा महिला सदस्यों में से सरोज सोनी,सोनिया अशोक जोशी,मीना दुबे,एकता तिवारी,शीला हरने,चंद्रकला शर्मा, दामोदर यादव, श उपस्थित रहे.सभी ने श्रीमद् नारद महापुराण कथा आयोजन को सफल बनाने हेतु घर घर जाकर लोगो को आमंत्रण देने तथा कथा कलश यात्रा में अधिक से अधिक लोगों को सम्मिलित होने का निवेदन किया है। जानकारी समिति के अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी ने देते हुए होने वाली महापुराण के संबंध में समिति के सदस्यों को दायित्व सौप कर महापुराण कथा के साथ आगामी होने वाले 13 मई के लोकसभा चुनाव में सभी सदस्यों को राष्ट्रहित में मतदान करने की शपथ दिलवाई।

महापुराण कथा के संबंध में समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी ने नारद महापुराण कथा के संदर्भ में बताया कि श्री नारद महापुराण अट्ठारह महापुराणों में से एक पुराण है। यह स्वयं महर्षि नारद के मुख से कहा गया एक वैष्णव पुराण है। महर्षि व्यास द्वारा लिपिबद्ध किए गए 18 पुराणों में से एक है। नारदपुराण में शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, और छन्द-शास्त्रों का विशद वर्णन तथा भगवान की उपासना का विस्तृत वर्णन है। यह पुराण इस दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण है कि इसमें अठारह पुराणों की अनुक्रमणिका दी गई है। इस पुराण के विषय में कहा जाता है कि इसका श्रवण करने से पापी व्यक्ति भी पापमुक्त हो जाते हैं। पुराण का प्रतिपाद्य विषय विष्णुभक्ति है। समिति अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी ने बताया कि इस समिति के द्वारा कुल 18 महापुराण कथा होगी और वर्ष भर में इस प्रकार से 2 कथा का आयोजन किया जाता हे,अभी तक समिति द्वारा 6 महापुराण का सफल आयोजन समिति करवा चुकी है।इस महापुराण समिति ने महापुराण समिति सदस्य डाक्टर अशोक शास्त्री को मीडिया प्रभारी का दायित्व सोपा हे। जानकारी कोषाध्यक्ष दशरथ सिग्गा ने दी।

यूसीमास स्टेट लेवल प्रतियोगिता में नरसिंहपुर का रहा बेहतर प्रदर्शन

नरसिंहपुर। यूसीमास अबेकस की 19वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 27 अप्रैल को द एमरल्ड हाईटस स्कूल राउ इंदौर के इन्डोर स्टेडियम में सम्पन्न हुई। इंदौर में आयोजित यूसीमास स्टेट लेवल प्रतियोगिता में विजेता रहे जिले के बच्चों को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह ने बधाई दी और उत्साहवर्धन कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस प्रतियोगिता में नरसिंहपुर के अंश अबेकस एकेडमी से कुल 51 प्रतियोगियों ने भाग लिया, जिसमें चार प्रतियोगी टाप फाईव, 13 प्रतियोगी मेरिट विजेता एवं 14 प्रतियोगी कांसुलेशन पुरुस्कार में सम्मानित हुए। उल्लेखनीय है कि यूसीमास अबेकस की 19वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 27 अप्रैल को द एमरल्ड हाईटस स्कूल राउ इंदौर के इन्डोर स्टेडियम में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 200 यूसीमास केन्द्रों से लगभग 5000 प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 5 से 13 आयु वर्ग के विद्यार्थियों को 8 मिनिट में 200 सवालों को लिखित में हल करने का लक्ष्य था। जिसमें जोड़ना, घटाना, गुणा भाग के जटिल सवालों को हल करने का लक्ष्य था। विजेता रहे प्रतियोगियों को 28 अप्रैल को लाभ मण्डपम अभय खेल प्रशाल इंदौर में सम्मानित किया। विजेताओं को पुरुस्कार वितरण मलेशिया से आये यूसीमास के संस्थापक प्रोफेसर डॉ. डियो बांग, नीरज गोयल, श्रीमती अमृता गोयल द्वारा किया गया। नरसिंहपुर अंश अबेकस एकेडमी से कुल 51 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। इनमें टाप फाईव में 4 प्रतिभागियों में अलग- अलग केटेगरी में हितांशी सोंधिया, अनिका हिरानी, शुभसिंह ठाकुर एवं रेयांश वासवानी रनर अप रहे। वहीं मेरिट में सुजीत पटैल, अनिका साहू, पार्थ बेलवंशी, युवम सिंह, प्रशंसा सोनी, यशवीं जाट, वरूण पराशर, देवांश पराशर, सानवी मेहरा, समर्थ रहेजा, ब्योम पटैल, ताशवी लूनावत ने स्थान प्राप्त कर ट्राफी जीती। कांसुलेश पुरुस्कार में 14 प्रतिभागियों को सम्मानित किया, जिसमें अवनी नेमा, भौमिक मेहरा, भुवनेश्वरी लोधी, दुरूव जटवानी, लक्ष्य रहेजा, लव्यांश लोधी, ओजस्वी जनौरिया, मानव चौधरी, पार्थ पटेल, सरस गढेवाल, शार्वी सोनी व यशराज यादव शामिल हैं।एकेडमी डायरेक्टर शोभा नागपुरे ने बेस्ट फेन्चाईची अवार्ड जीतकर नरसिंहपुर जिले को गौरवान्वित किया। ऐकेडमी डायरेक्टर श्रीमती शोभा नागपुरे एवं समस्त यूसीमास स्टाफ ने सभी विजेताओं को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्ट्रांग रूम सुरक्षा के लिए अधिकारियों की ड्यूटी

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 26 अप्रैल को मतदान समाप्ति के पश्चात ईव्हीएम/ व्हीव्हीपीएटी कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में स्थापित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे जाने एवं स्ट्रांग रूम सील हो जाने के पश्चात मतगणना 4 जून तक स्ट्रांग रूम के बारह एवं मंडी परिसर में 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए राजपत्रित/ कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने पूर्व में जारी आदेश को संशोधन कर नवीन संशोधित आदेश जारी किया है। उक्त दल निर्धारित ड्यूटी दिनांक व समय पर कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में बनाये गये स्ट्रांग रूम स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। स्ट्रांग रूम के बाहर संधारित उपस्थिति लागबुक में हस्ताक्षर करेंगे। प्रभारी अधिकारी निगरानी/ सुरक्षा निर्धारित ड्यूटी के दौरान यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कृषि उपज मंडी परिसर में अनाधिकृत व्यक्ति/ बिना परिचय पत्र के प्रवेश न करें।

कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा

राजगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के नरसिंहगढ़ विधानसभा के तलेन में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों की राह पर चल रही है, जिस तरह से अंग्रेज फूट डालो और राज करो की नीति पर कार्य करते थे, उसी प्रकार कांग्रेस पार्टी आज भी जाति और क्षेत्र के आधार पर लोगों को बांटकर शासन करना चाहती है। भाजपा राजगढ़ सहित प्रदेश की सभी 29 की 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक बहुमत से चुनाव जीतने जा रही है। मैं इस क्षेत्र की देवतुल्य जनता से अपील करना चाहता हूं कि वह किसी के बहकावे व झांसे में न आएं। भाजपा कार्यकर्ता जनता के हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है और हमेशा खड़ा रहेगा।

राष्ट्रीय संत ,राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ महाराज के जिले में आगमन पर हुआ स्वागत, ली आमसभा

धार। राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय संत श्री श्री 1008 बालयोगी उमेश नाथ जी महाराज के धार जिले के दौरे में पीथमपुर , सागोर ,धार, मांगोद चौपाटी, राजगढ़, रिंगनोद ,बाग, कुक्षी, मनावर आदि स्थानों पर स्वागत व आमसभा का आयोजन किया गया. वाल्मीकि बस्तियों में संपर्क कर सभा का आयोजन किया गया. भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा गुरु जी का स्वागत किया गया. मुख्य रूप से सांसद छतर सिंह दरबार ने मनावर में, प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल ने कुक्षी में मनावर में युवा जिला पंचायत सदस्य शिवराम कन्नौज, पूर्व विधायक वेल सिंह भूरिया ने सरदारपुर में, पूर्व विधायक मुकाम सिंह किराड़े कुक्षी में, भाजपा जिला मंत्री जीवन रघुवंशी ने प्रिथमपुर में स्वागत किया गया अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा, भाजपा जिला महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा ज्वाला सोलंकी, द्वारा दौरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को आभार प्रकट किया।

धार में 7 मई को प्रधानमंत्री मोदी आमसभा को संबोधित करेंगे

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह ने धार में होने वाली मोदी जी की सभा स्थल का जायजा लिया , व्यवस्था टोली बैठक में शामिल हुए

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धार - महु लोकसभा क्षेत्र में 7 मई को सुबह 10 बजे भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के पक्ष में एक विशाल जनसभा को धार पीजी कॉलेज ग्राउंड में संबोधित करेंगे। आमसभा तैयरी को लेकर शुक्रवार को भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह ने लोकसभा क्षेत्र के प्रमुख नेता एवं मोदी जी की सभा आयोजन व्यवस्था टोली प्रमुख कार्यकर्ताओं से चर्चा की तथा हेलीपैड व सभा स्थल का जायजा लिया।

लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि मोदी जी 7 मई सुबह 10 बजे धार आ रहे है यह बात प्रत्येक घर तक पहुंच जाना चाहिए पुरे शहर में उत्साह का वातावरण बने। लोकसभा प्रबंध टोली के प्रमुख लोगो से चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर देना होगा। प्रधानमंत्री मोदी जी की सभा का लक्ष्य शत प्रतिशत पूरा हो। भाजपा कार्यकर्ता, चुनाव प्रबंधन से संबंधित टोलियों के पदाधिकारी व सदस्यों को अपने-अपने कार्यों के साथ मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए भी कार्य करना है। जब देश में 400 पार हो तो धार लोकसभा से भी एक कमल का फूल खिला होना चाहिए।

बैठक में विशेष रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा,संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम, सांसद छतर सिंह दरबार, लोकसभा प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार ,लोकसभा संयोजक प्रभु राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा धार विधायक नीना वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष क्रमशः रमेश धारीवाल विनोद शर्मा खेमराज पाटीदार डॉ राज बर्फा, मोहन भायल दिलीप पटोदिया सहित जयपाल सिंह चावड़ा पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव राधेश्याम यादव लक्ष्मण नायक गोविंद मालू डॉ शरद विजयवर्गीय भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ,निलेश भारती ,जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी, अनिल बाबा ,नगर अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश नितेश अग्रवाल सहित अनेक व्यवस्था प्रमुख उपस्थित रहे।

मोदी की सभा टोली व्यवस्था से प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने चर्चा की... - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सभा के लिए व्यवस्था के रूप में विभिन्न टोली बनाई गई जिसमें मंच व्यवस्था, जल व्यवस्था, नगर साज सज्जा व्यवस्था ,यातायात व्यवस्था ,रंगोली सामग्री वितरण ,मीडिया व्यवस्था ,सोशल मीडिया व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था, कॉल सेंटर, सुरक्षा व्यवस्था, युवा मोर्चा, स्वच्छता व्यवस्था एवं शौचालय व्यवस्था, टेंट व्यवस्था ,प्रशासनिक व्यवस्था सहित अनेक व्यवस्था प्रमुख से प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने चर्चा की तथा उनके कार्य व्यवस्था को जाना। बैठक का संचालन नीलेश भारती ने किया।

आध्यात्मिक गुरु सतपाल महाराज नालछा पहुंचे

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के पक्ष में सभा को संबोधित किया

धार / नालछा। धार महू लोकसभा चुनाव धरमपुरी विधानसभा के नालछा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी अधिकृत प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के लिए उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने नालछा में आम सभा को संबोधित किया।

सतपाल महाराज ने मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किए गए- कार्यों का उल्लेख किया। धार महू लोकसभा अधिकृत प्रत्याशी सावित्री ठाकुर को भारी मतों से विजय बनाने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए 13 मई को कमल के फूल पर वोट देने के लिया आग्रह किया।आम सभा में दूर दूर से बड़ी संख्या में सतपाल महाराज जी के अनुयाई और आम लोग पहुंचे। आम सभा में नालछा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश कामदार , कार्यक्रम के संचालन करता मंडल महामंत्री विनोद ठाकुर, नालछा जनपद उपाध्यक्ष दिलीप डावर, धरमपुरी प्रभारी मुकेश परमार, संयोजक महेंद्र महाजन,सह संयोजक रविंद्र परिहार, इस आम सभा के प्रभारी भ?जपाल दरबार,सह प्रभारी नीखिल ग्वाल,संतोष राठौड़ मांडव नगर पंचायत उपाध्यक्ष कृष्ण यादव,अशोक जाट, हेमदास बैरागी,संतोष पटेल,अनिल पटेल,सीताराम ठाकुर, डॉ महेश यादव मीडिया प्रतिनिधि निलेश माहेश्वरी एवं अन्य भारतीय जनता पार्टी की जिला पदाधिकारी एवं मंडल के पदाधिकारी व सभी मोर्चे के अध्यक्ष , पदाधिकारी कार्यकर्ता पहुंचे।

नेहरू उद्यान के भीतर बगैर अनुमति चलाई जा रही बच्चों को भरमाने वाली सशुल्क गाड़ी...

नर्मदापुरम। तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीराम चौरे और तत्कालीन नपाध्यक्ष श्रीराम राठौर और उन दिनों के पार्षदों की दूरगामी सोच नागरिकों को घर से बाहर कोई एक ऐसा स्थान जो उसे और उसके परिजनों को कुछ समय सुकून के दो पल दे सके उन्होंने नगर के एक ओर उद्यान के रूप में विकसित किया नेहरू उद्यान के रूप विकसित किया था जो अब नगर के बीचों बीच आ गया। नगर में नर्मदा घाट के पश्चात नेहरू उद्यान ही एक मात्र सार्वजनिक वह जगह है जहां लोग सपरिवार अपने बंधु-बांधवों को लेकर कुछ सुकून के पल बिता लेते, तकरीबन एक एकड़ में बने इस उद्यान में पूर्व विधायक अंबिका शुक्ल को तत्कालीन कलेक्टर श्रीमती अजिता बाजपेई पाण्डेय ने अपनी व्यवसायिक शाखा खोलने का प्रस्ताव दिया था उसमें शर्त यह थी कि वे उनके पति अमित पाण्डेय की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अधिकारी आर एस ठाकुर की सांझेदारी में ठेकेदारी की शिकायत वापस ले लें, श्री शुक्ल ने जिसे यह कहकर ठुकरा दिया। कि उन्हें आम जनता से अपार प्रेम मिला है वह उनके लिए काफी है और उन्हें अपनी व्यवसायिक शाखा खोलने का यहां कोई लोभ नहीं। श्री शुक्ल सार्वजनिक रूप से इस बात को बताने में परहेज करते थे

लेकिन बेबाकी से वे यह जरूर कहते थे वे तीन बाई छह की जगह पर सिमट जायेंगे फिर यह एहसान क्यों, श्री शुक्ल का यह कथन उनकी लोकप्रियता को साथ लेकर बरसों आम आदमी के बीच इस नारे के साथ चला अंबिका शुक्ल किसका हाथ उठा जिसका.. आज वही नेहरू उद्यान सुर्खियों में है, नेहरू उद्यान नगरपालिका ने जिसे अपनी चारागाह बना रखी, उसका मन होता वह रख-रखाव के नाम पर लम्बी राशि खर्च कर नियमित मेनटेनेंस नहीं करती गत एक देढ़ साल से किसी ने यहां मेनटेनेंस का काम होते हुए तो नहीं देखा आज भी पार्क में टूटे झूले, फिसलपट्टी, फव्वारों की लाईट पूरी तरह खराब है, पार्क में मरम्मत कार्य होना समय की मांग है पर कोई ध्यान नहीं लेकिन इसे व्यापार स्थल बनाने की कोशिश जरूर की जा रही है। उद्यान में इलेक्ट्रिक गाड़ी चलाने की अनुमति गुप-चुप तरीके से देकर किसी को उपकृत करने की योजना चल रही है। उद्यान के भीतर नगरपालिका को सार्वजनिक हित में वह सुविधाएं आम आदमी को देनी चाहिए जिनसे लाखों रुपए वह टेक्स वसूलती है, नेहरू उद्यान आने वाले उन परिवारों को जो परिजनों के साथ दो घड़ी के सुकून की तलाश में आते हैं उसे खत्म करने की कोशिश की जा रही.. फिलहाल बगैर अनुमति की दो इलेक्ट्रिक गाड़ियां चलाई जा रही जो एक राऊंड के 50 रुपए वसूल रहा और नगरपालिका की बिजली से ही चार्ज हो रहा, मध्यम वर्गीय परिवार पर उनके साथ आने वाले छोटे-छोटे बच्चों के कारण उन पर सीधा असर डाल रहा। नेहरू उद्यान की प्रभारी उपयंत्री प्रतिमा बेलिया ने बगैर अनुमति गाड़ी चलाने की मनाही कर गाड़ी बंद करवा दी लेकिन किसी बड़े के दबाव में पिछले कई दिनों से गाड़ी यहां फर्राटा जरुर भर रही है। उद्यान आने वाले नागरिक उद्यान के भीतर इस तरह की व्यावसायिकता की प्राथमिकता पर काफी नाराज हैं।

मंगलवार को कांग्रेस को वोट दिया तो पुरुषों का मंगल और महिलाओं का छिन जाएगा मंगलसूत्रः भाजपा

7 मई को मतदान चुनाव प्रचार में भाजपा कांग्रेस दोनों सुस्त अभी कई लोगों को चुनाव की जानकारी नहीं

आमला। जिले में 7 मई मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान किया जाएगा, इसके लिए जहां निर्वाचन द्वारा मतदान के लिए व्यापक स्तर पर लगभग सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है, तो वहीं शायद ऐसा पहली बार देखा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए जब महज कुछ घंटे ही शेष रह गए हैं,ऐसे में होने जा रहे चुनावो में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान जो गहमागहमी और शोर दिखाई देता था, वो इस बार के चुनावो से नदारत है,गांव गली और शहर में वो पहले जैसा चुनाव का शोर, झंडा, बैनर, पोस्टर और प्रचार की वह भागम- भाग भी दिखाई नहीं दे रही है, ऐसे में लोगों का कहना है कि इस बार लोकसभा के चुनाव बेहद ठंडे और नीरस हैं तो वही बड़ी संख्या में हमें ऐसे लोग भी मिले जिन्हें चुनाव की फिलहाल कोई जानकारी नहीं है, यानी इस बार लोकसभा के चुनाव की नीरसता और उबाऊपन मतदान का प्रतिशत भी कम कर सकता है, ऐसे मे निर्वाचन और राजनीतिक दलों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है, हालांकि इस बार चुनाव में राजनीतिक दलों की सुस्ती और उबासी को लेकर जानकारों के भी अलग-अलग मत है।

भाजपा ने कहा कांग्रेस को वोट मतलब अपना मंगल और मंगलसूत्र गवाना- भले ही लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए कुछ घंटे का समय बचा हो और इलाके के राजनीतिक दल अपेक्षित वह चुनाव की गर्मी पैदा नहीं कर पाए हो, किंतु इस दौरान इलाके के दोनों प्रमुख दलों द्वारा बयानों को लेकर कोई कंजूसी नहीं की जा रही है, जहां एक तरफ कांग्रेस महंगाई बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को लेकर लोगों से बात कर रही है,तों जिले में भाजपा सांसद की निष्क्रियता और अनदेखी को लेकर भी कांग्रेस कार्यकर्ता मैदान में है कांग्रेस आरोप भी लगा रही है कि बीते 3 दशकों से जिले पर भाजपा का शासन रहा है फिर भी इलाके को कोई बड़ी उपलब्धि भाजपा नहीं दिला पाई है। तो वही भाजपा भी सर्वप्रथम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उसके बाद स्वच्छ भारत मिशन,आवास, आयुष्मान, लाडली बहन,उज्ज्वला योजना, किसान समृद्धि जैसी कई योजनाओं के दम पर मतदाताओं के बीच में है, तो वहीं कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी मतदाताओं को अपनी उपलब्धि बता रहे हैं, इस मौके पर भाजपा द्वारा धारा 370 और राम मंदिर जैसी उपलब्धि भी मतदाताओं के बीच रखी जा रही है, तो वही इस मौके पर भाजपा मतदाताओं को ये भी कह रही है कि अगर 7 मई मंगलवार को कांग्रेस को वोट दिया तो, पुरुषों का मंगल और महिलाओं से उनका मंगलसूत्र भी कांग्रेस छीन सकती है, यानी इलाके के दोनों ही राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी मैदान में अपने सभी शस्त्रों का उपयोग किया जा रहा है।

क्या चुनौतियों से निपट पाएगी कांग्रेस- बीते लगभग 3 दशकों से जिले की लोकसभा सीट पर भाजपा का एक तरफ राज रहा है इन बीते वर्षों में कांग्रेस कभी भी भाजपा के अभेद किले में सेंध नहीं लगा पाई है तो वही इस बार भी कांग्रेस के लिए चुनौतियां कुछ कम नहीं है, जब पिछले दिनों सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व कांग्रेस विधायक और कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भी कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कर भाजपा परिवार का हिस्सा बन चुके हैं तो वहीं कांग्रेस अपने पिछले प्रत्याशी रामू टेकाम को ही इस बार चुनाव मैदान में उतार चुकी है ऐसे में अगर भाजपा की कुछ बड़ी कर्मियों को नजर अंदाज भी कर भी दिया जाए तो भी पिछली बार 2 लाख से ज्यादा मतों से भाजपा से हार चुकी कांग्रेस क्या इस बार इस बड़ी गहराई को पाट पाएगी, यह कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

आज मतदाता जागरूकता रैली- आज शनिवार को निर्वाचन द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए एक रैली का आयोजन किया गया है, निर्वाचन द्वारा निकाली जा रही इस रैली में नगर पालिका कर्मचारी आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी आशा एवं अन्य शासकीय भागों के कर्मचारी भी शामिल होंगे, रैली का आयोजन नगर पालिका से नेहरू पार्क तक किया गया है।

राइट क्लिक

मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में देरी पर भी सियासी घमासान

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

अगर कण-कण में भगवान हैं तो मानिए कि इस देश के जर्रे-जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ-साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक शुबहों की सुरंग से होकर गुजर रहा है। विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्तेह बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे। अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमशः 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार- जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है।

मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह- तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा । ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है।

विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं।

पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रश्न उठाए हैं। पहला यह कि दोनो चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है? दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है, कुल मतदान के आंकड़े बताने में उसे क्या परेशानी है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने तो आरोप लगाना शुरू भी कर दिया है कि चुनाव आयोग नतीजों में गड़बड़ी कर सकता है।

आंकड़े जारी करने में यकीनन देरी हुई है। क्योंकि पहले के चुनाव में किसी भी चरण के अंतिम आंकड़े प्रायः तीन दिन के अंदर मिल जाते थे। वैसे भी मतदान के दिन शाम तक के जो आंकड़े चुनाव आयोग जारी करता है, वो सरसरी तौर पर और अनुमानित ही होते हैं, क्योंकि मतपेटियां जमा होने का क्रम देर रात तक या दूसरे दिन सुबह तक भी चलता है। उन सभी के मतदान के वास्तविक आंकड़ों की पुष्टि कर उनको कंपाइल करने में वक्त लगता है। लेकिन उंगली आयोग की मंशा पर उठ रही है। कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के अंतिम आंकड़े की जानकारी देने में देरी 'अस्वीकार्य' है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया से कहा कि हमे उम्मीद है कि चुनाव के बचे हुए चरणों में ऐसा नहीं होगा। सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि ये बहुत परेशान करने वाला है। इससे नतीजों में गड़बड़ी का गंभीर शक़ पैदा होता है। उनका यह भी कहना था कि जब तक वोटों कुल आंकड़ा न बताया जाए तब तक प्रतिशत बताने का कोई अर्थ नहीं है। दूसरी ओर पूर्व चुनाव आयुक्त एन गोपालास्वामी का कहना है कि मतदान के पुष्ट चुनावी आंकड़े तब उपलब्ध होते हैं, जब वोटिंग के अंत में फ़ॉर्म 17C जमा किया जाता है। इसी फ़ॉर्म पर डाले गए वोटों की कुल संख्या होती है। तभी आयोग को अंतिम आंकड़े पता चलते हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अंतिम आंकड़ों में पांच छह फीसदी की घट बढ़ असामान्य नहीं है।

इसका एक अर्थ यह भी है कि यदि अंतिम आंकड़े और घटते तो विपक्ष ज्यादा मुतमइन रहता, बढ़ते आंकड़ों ने उसे बेचैन कर दिया है। हालांकि अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना विलंब चुनाव आयोग की कार्य क्षमता पर भी सवाल खड़े करता है, क्योंकि जो काम तय सीमा में अब तक होता रहा है, वही काम ज्यादा संसाधनो और बेहतर टेक्नालॉजी के बाद भी इतनी देरी से क्यों हो रहा है अथवा किया जा रहा है? हालांकि यह मानना कठिन है कि चुनाव आयोग जान बूझ कर कोई खेला कर रहा होगा, क्योंकि इस चुनाव में सबसे ज्यादा विश्वसनीयता तो उसी की दांव पर लगी है। अगर यह कोई व्यवस्थागत खामी है तो उसे अगले चरणों में दूरने की जरूरत है।

यह बात अलग है कि अपनी कॉलर ऊंची रखने के लिए कम मतदान को सभी दल अपने अपने पक्ष में बता रहे हैं, लेकिन खुटका सभी के मन में है और खासकर भाजपा के मन में जिसने 400 पार का नारा दिया हुआ है। ऊपर से भले ही प्रधानमंत्री कम मतदान को भगवा रंग में लिपटा मानें, लेकिन अंदरखाने बीजेपी ने अपनी समूची चुनावी मशीनरी को खड़का दिया है कि किसी भी कीमत पर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाओ। वरना नतीजों का ऊंट दुश्मन की करवट जा बैठेगा। कुल मिलाकर डर दोनों तरफ है। हालांकि कम मतदान की खबरों ने अचानक विपक्ष की ईवीएम पर आस्था बढ़ा दी थी। लेकिन बढ़ा मतदान यह आस्था फिर घटा सकता है। याद करें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय टीडीपी नेता चंद्राबाबू नायडू विरोधी खेमे में थे और उन्होंने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। लेकिन इस दफा वो खामोश हैं, बीजेपी के साथ हैं और सत्ता में वापसी की आस लगाए हुए हैं। उन्हें ईवीएम में कहीं कोई खोट नजर नहीं आ रहा।

झेलम एक्सप्रेस में बम की खबर से हड़कंप

भोपाल के आरकेएमपी स्टेशन पर ट्रेन की चैकिंग, जीआरपी ने पुणे के युवक को हिरासत में लिया

भोपाल (नप्र)। पुणे से जम्मू तवी जाने वाली 11077 झेलम एक्सप्रेस में बम सूचना के बाद हड़कंप मच गया। जिस वक्त ट्रेन में बम होने की सूचना मिली ट्रेन भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन (आरकेपीएम) के नजदीक थी। जीआरपी ने ट्रेन के एस-9 कोच में बम होने की बात कहने वाले यात्री को हिरासत में ले लिया है। आरोपी पुणे का रहने वाला विश्वास राव मोरे हैं।

आरकेएमपी थाना के एसएचओ सुनील अरजरिया ने बताया कि बम की सूचना देने वाला यात्री पुणे का विश्वास राव मोरे हैं। वो भी एस-9 कोच में सफर कर रहा था। उसके पास से आधारकार्ड और पासपोर्ट जब्त किए हैं। उसी ने टीसी को एस-9 कोच में बम होने की सूचना दी थी। इसके बाद टीसी ने ये जानकारी हमको दी। आरोपी यात्री के पास से पुणे से झांसी तक का टिकट मिला है। झांसी से कानपुर पहुंचने के बाद वो किसी मंदिर में जाने की बात कह रहा है। उसने बताया है कि वो मन्नत मांगने के लिए मंदिर जा रहा था। उसकी पत्नी 6 साल पहले छोड़ चुकी है। पूणे पुलिस को इस मामले की जानकारी दे दी गई है।

टीसी से कहा कोच में बम है- झेलम एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह 8.31 बजे आरकेएमपी स्टेशन पर पहुंचती है। दो मिनट के ठहराव के बाद 8.33 पर रवाना होती है। शुक्रवार सुबह ट्रेन करीब 15 मिनट की देरी से चल रही थी। रानी कमलापति स्टेशन के नजदीक ही एस-9 कोच में एक यात्री ने बम होने की बात टीसी से कही। इसके बाद कोच में हड़कंप मच गया और यात्री सकते में आ गए।

युवक मानसिक हालत ठीक नहीं- आरपीएफ कमांडेंट प्रशांत यादव ने कहा, ट्रेन के एक यात्री ने कहा कि ट्रेन में बम है। इसके बाद ट्रेन की तलाशी ली गई। इस पूरे प्रोसेस में एक घंटे से ज्यादा लग गया। बम की बात कहने वाला युवक मानसिक रूप से बीमार नजर आ रहा है। पूछताछ के बाद ही कुछ कह पाना संभव होगा।

आरपीएफ ने प्लेटफॉर्म पर घेरी ट्रेन

ट्रेन में बम होने की सूचना टीसी ने जीआरपी को दी। कुछ यात्रियों ने बम होने की बात कहने वाले यात्री को पकड़ लिया। जैसे ही 8.48 पर ट्रेन आरकेएमपी के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंची तो जीआरपी और आरपीएफ के दस्ते ने एस-9 कोच को घेर लिया, जिसमें बम होने की खबर मिली थी।

बम की बात कहने वाला युवक हिरासत में

स्लीपर कोच सहित पूरी ट्रेन को आरपीएफ व जीआरपी ने सर्च किया। मौके पर डॉग स्क्वॉड को भी बुला लिया गया। इस दौरान पुलिस ने उस यात्री को भी हिरासत में लिया गया, जिसने बम होने की बात कही थी। पूरी ट्रेन की चैकिंग के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने के बाद 9.50 बजे ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

राहुल गांधी रायबरेली से भी हारेंगे : मोहन यादव

मोहन यादव ने कहा -प्रियंका रण के पहले ही रण छोड़ गई

भोपाल (नप्र)। लंबी जद्दोजहद के बाद कांग्रेस ने गांधी परिवार की परंपरागत रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी को प्रत्याशी बनाया है। राहुल के रायबरेली से उम्मीदवार घोषित होने और प्रियंका गांधी के चुनाव ना लड़ने पर एमपी के सीएम डा मोहन यादव ने हमला बोला है। उत्तरप्रदेश के संभल और बदायूं चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले सीएम डा मोहन यादव ने कहा - राहुल गांधी रायबरेली भी हारेंगे.... प्रियंका गांधी रण के पहले ही रणछोड़ हो गई।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी पारी को लेकर जिस ढंग से वातावरण बना है, यही कारण है कि कांग्रेस पहले तो तय नहीं कर पा रही थी कि क्या करना चाहिए..? राहुल गांधी, पिछली बार अमेठी से हारकर केरल तक भागे थे। वायनाड से हार की आशंका मानकर पहले अमेठी का मन बनाते रहे, फिर स्मृति जी ने जो 5 साल तक काम किया है। पिछले चुनाव में 5 विधानसभा में 4 में जमानत जप्त कराई।

यूपी का माहौल मोदी मय हो चुका है

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- जिस ढंग से मैं अभी वहां दौरा करके आया हूं। मैं स्वयं अमेठी में नामांकन भराने गया था। यूपी का माहौल मोदी मय हो चुका है। पुराना रिकॉर्ड भी हम तोड़ने जा रहे हैं। अमेठी के बजाए रायबरेली से वो लड़ने जा रहे हैं तो रायबरेली की जनता उनका इंतजार कर रही है। कांग्रेस ने जितने विकास में अवरोध पैदा किए, मोदी जी के बारे में जितनी हल्की बातें की उन सभी बातों का कांग्रेस को हिसाब देना पड़ेगा... निश्चित ही रायबरेली से भी राहुल गांधी की हार होने वाली है। प्रियंका जी ने तो पहले ही हमारी भाषा में कहे तो रण के पहले ही रण-छोड़ हो गई।

प्रदेश के 10 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

4-5 मई को गर्म हवाएं चलेंगी, 6-7 मई को बूंदाबांदी का अनुमान

भोपाल (नप्र)। मई के शुरुआती दो दिन तक मध्यप्रदेश में तेज गर्मी रही। कई शहरों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। शुक्रवार को भी गर्मी का असर था, जबकि 4-5 मई को ग्वालियर, खरगोन, खंडवा, दतिया समेत 10 जिलों में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चलने का अलर्ट है। 6 और 7 मई को पूर्वी हिस्से में हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान है।

भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया, ईरान की ओर से वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इस वजह से 6 और 7 मई को पूर्वी मध्यप्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। सामान्य से साढ़े 4 डिग्री तापमान ज्यादा होने पर हीट वेव चलने लगती है। अगले दिनों में हीट वेव का असर भी रहेगा।

दो दिन यहां चलेगी हीट वेव- 4 और 5 मई को ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चल सकती है। मौसम विभाग ने यह अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को भोपाल में तेज गर्मी पड़ी। इस वजह से सड़क का डामर भी पिघल गया। राजा भोज सेतु के पास यह तस्वीर देखने को मिली।

सबसे गर्म रहा नरसिंहपुर- नरसिंहपुर सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 41.8 डिग्री रहा। सीधी में 40 डिग्री, धार में 40.2 डिग्री, खंडवा में 40.5 डिग्री, खरगोन में 41 डिग्री दर्ज किया गया।

बड़े शहरों में की बात करें, तो भोपाल में 37.8 डिग्री, इंदौर में 37.8 डिग्री, ग्वालियर में 36.5 डिग्री, जबलपुर में 37.7 डिग्री और उज्जैन में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पीसीसी चीफ के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

इंदौर में चूड़ियां लेकर पहुंची महिलाएं, जीतू ने कहा था-इमरती का रस खत्म हो गया

इंदौर/ग्वालियर (नप्र)। पूर्व मंत्री इमरती देवी पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के विवादित बयान को लेकर मध्यप्रदेश में प्रदर्शन तेज होते जा रहे हैं। बैतूल के घोड़ाडोंगरी में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटवारी को काले झंडे दिखाए। वहीं, इंदौर में बीजेपी की महिला कार्यकर्ता जीतू के घर पर चूड़ियां लेकर पहुंचीं। अन्य जिलों में भी भाजपा कार्यकर्ता विरोध जता रहे हैं।

जीतू पटवारी घोड़ाडोंगरी में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी रामू टेकाम के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे थे। यहां बाजार चौक में सभा के बाद पटवारी जब मुलताई के लिए रवाना हो रहे थे, तभी भाजपा कार्यकर्ता उनके खिलाफ नारे लगाने लगे। इस दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कार्यकर्ताओं को अलग किया।

कांग्रेस आईटी सेल के पूर्व जिला अध्यक्ष भूषण कांति ने कहा, भाजपाइयों ने हमारे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, लोकसभा प्रत्याशी रामू टेकाम समेत वरिष्ठ नेताओं पर प्राणघातक हमले की कोशिश की। हमने नामजद एफआईआर की मांग करते हुए पुलिस को आवेदन दिया है।

विवाद बढ़ा तो इमरती को बड़ी बहन जैसी बताया

मामले के तूल पकड़ने के बाद जीतू ने ट्वीट कर इमरती को अपनी बड़ी बहन जैसी कहा। वहीं, इमरती देवी ने कहा, जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगी।

इमरती बोलीं- एफआईआर कराऊंगी ; माफी मांगें, तब भी नहीं बदलूंगी

जीतू के बयान पर इमरती देवी ने कहा, इसकी शिकायत एसपी से करने जा रही हूं। अब अगर वे माफी भी मांगते हैं, तब भी हम नहीं बदलेंगे। अशोकनगर में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि कांग्रेस के लोगों को सद्बुद्धि दें। कभी दिग्विजय सिंह टंच माल, कभी कमलनाथ आइटम बोलते हैं। कांग्रेस के लोगों को ऐसा नहीं करना चाहिए। बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान से ही सभी महिलाएं घर से बाहर निकली हैं। मैं तो स्ष्ट समाज की महिला हूं। इमरती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से जीतू पटवारी का प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा लेने की मांग भी की है।

सरकारी स्कूलों में भी तीन साल की उम्र में पढ़ाई

नर्सरी की क्लासेस शुरू होंगी गवर्नमेंट स्कूलों में, इसी सत्र से शुरू होंगे एडमिशन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में अब सरकारी स्कूलों में भी 3 साल की उम्र से बच्चों की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के तीन हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में नर्सरी क्लासेस शुरू करने का फैसला किया है, जिसमें तीन साल या अधिक उम्र के बच्चों को एडमिशन दिया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने जिन विद्यालयों में नर्सरी क्लासेस शुरू करने का फैसला किया है वहां एडमिशन वाले विद्यार्थियों का कोटा भी तय कर दिया गया है।

प्री प्राइमरी एजुकेशन के अंतर्गत स्कूलों में एडमिशन को लेकर यह निर्देश सभी जिलों के कलेक्टरों को दिए हैं। इसमें कहा है कि वर्ष 2024-25 सत्र के लिए समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना में 3061 विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरू करने की स्वीकृति शासन ने दी है। पहले पांच जिलों भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, सागर और शहडोल के 1415 विद्यालयों में केजी 1 और केजी 2 कक्षाएं सत्र 2019-20 से संचालित की गई थीं। इन स्कूलों में भी अब इन कक्षाओं के साथ 3 से 4 साल की उम्र वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी कक्षाएं संचालित किया जाना है। इसके लिए एडमिशन प्रक्रिया 15 जून 2024 से शुरू की जाएगी।

कलेक्टर स्कूलों में कराएंगे इंतजाम- स्कूल शिक्षा विभाग ने इसको लेकर जारी निर्देश में कहा है कि कलेक्टरों की जिम्मेदारी यह है कि वे चिह्नित विद्यालयों के कमांड क्षेत्रों में 3 से 6 साल की उम्र वर्ग के बच्चों को चिह्नित करा लें। कलेक्टरों से यह भी कहा गया है कि प्रवेश लेने वाले बच्चों के लिए स्कूल में टाट पट्टी, पीने का पानी और शौचालय की व्यवस्था होनी चाहिए। जिस विद्यालय में एडमिशन दिया जाना है वहां कम से कम दो कक्षों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की क्लास संचालन की सुविधा हो और बाहर खेलने के लिए मैदान पर्याप्त जगह वाला हो।

शिक्षक 52 साल से अधिक उम्र का न हो- नर्सरी क्लास में पढ़ाने के लिए शासन ने शिक्षकों की उम्र का क्राइटेरिया भी तय कर दिया है। इसमें कहा गया है कि जिन स्कूलों में एडमिशन दिया जाना है, उसमें हर स्कूल में कम से कम दो अलग शिक्षकों का इंतजाम होना चाहिए। शिक्षक-शिक्षिका की उम्र 52 वर्ष से कम हो। शिक्षक बच्चों के साथ स्कूल एक्टिविटी करने में सक्षम हों और रुचि रखते हों। प्री प्राइमरी क्लास में पढ़ाने का अनुभव हो।

यहां डेढ़ हजार से अधिक बच्चों को मिलेगा एडमिशन

● छतरपुर जिले के ईश्वरनगर विकासखंड के शासकीय एमएलबी कन्या स्कूल छतरपुर में 1949 ● भिंड जिले के मेहगांव विकासखंड के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल मेहगांव में 1761, ● बुरहानपुर के शासकीय विद्यालय खैराती बाजार बुरहानपुर (उर्दू) में 2195, ● बुरहानपुर के शासकीय उर्दू कन्या हायर सेकेंडरी हरीरपुरा बुरहानपुर में 1711, ● बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कचनारी में 1577, ● विदिशा जिले के सिरोंज विकासखंड के कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल सिरोज में 1550 ● सिंगरौली जिले के बैढ़न विकासखंड के कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बैढ़न में 1635, ● सतना जिले के नागौद विकासखंड के कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल नागौद में 1542, ● धार जिले के धार विकासखंड के भोज कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में 1893, ● ग्वालियर जिले के डबरा विकासखंड के कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल डबरा में 2033, ● ग्वालियर जिले के मुरार विकासखंड के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल गजराराजा लश्कर में 1983, ● नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर विकासखंड के हायर सेकेंडरी स्कूल सोहागपुर 1514, ● रायसेन जिले के उदयपुरा विकासखंड में कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल उदयपुरा में 1533, ● राजगढ़ जिले के ब्यावरा विकासखंड के कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में 2925, ● कटनी जिले के हायर सेकेंडरी स्कूल एक्सीलेंस महावीर बहोरीबंद में 1638, ● इंदौर शहरी विकास खंड के हायर सेकेंडरी स्कूल अहिल्या आश्रम नम्बर में 2883, ● इंदौर जिले के हायर सेकेंडरी स्कूल एक्सीलेंस बाल विनय मंदिर में 1537।